इब्रानियों, अध्याय पांच और छह 1

... इब्रानियों की—की किताब से। फिर हम 7वें, मलिकिसिदक याजकपद के अंदर जायेंगे। और फिर हम अंदर जायेंगे, मलिकिसिदक के याजकपद से, प्रायश्चिता के उस महान दिनों में, और अलग करते हुए, प्रायश्चिता को विभाजित करते हुए। फिर उस महान विश्वास के अध्याय में, 11वां अध्याय; और 12वां अध्याय, "हर एक बोझ को एक तरफ रखते हुए।" और 13वां अध्याय, "वो अनन्त घर मनुष्य के हाथों से नहीं बनाया गया; लेकिन केवल परमेश्वर ही है, जिसने इस महान घर को बनाया है।" क्या ही अद्भुत है!

2 मैं अपनी बहन को वहाँ पीछे देखकर खुश हूँ, जिसने अभी–अभी सभा में प्रवेश किया है। मैं उसे और उसके पति को देखता हूं। कल, हम अपने रास्ते पर आ रहे थे, एक स्थान पर... मैंने सोचा कि मैं हर छोटे मोड़ और कोने को जानता हूँ, इंडियाना में यहां शिकार का संचालक होने के नाते, और बहुत वर्षों तक गश्त करता रहा हूँ। मैं हर एक स्थान को जानता हूँ। लेकिन मैं कल खो सकता था, वहाँ ऊपर जहाँ पर वे थे, टीले के ऊपर, एक नई सड़क थी।

3 और उस महिला के फेफड़ों में कैंसर था, और प्रभु ने निश्चय ही उस महिला को चंगा किया। हमने लिया... ओह, और यह सब किस तरह से आता है, हम वहां बैठे हुए थे। भाई रॉबर्सन, वह शायद आज आये हुए है। मैं उनकी पत्नी और भाई वुड को देखता हूं, जो अंदर आये हैं। और हम वहाँ एक पुरानी गाडी में थे, भाई रॉबर्सन और मैं, और भाई वुड। और हमने उस गाड़ी को लिया, हम ऊपर पहाड़ी की चोटी पर गये। और वहाँ प्रभु ने निश्चित रूप से कैंसर को दिखाया। और फिर हम वहीं खड़े रहे और हमने देखा महिला को छोड़कर जा रहा है। अपनी खुद की आँखों से, हम खड़े हुए थे और देखा कि यह महिला को छोड़ कर जा रहा है। और उसने भाई वुड की पत्नी को वापस बुलाया; और मुझे बता रहे थे, वो वास्तविक काली वस्तु को बाहर थूक रही थी। और वो आज सुबह यहाँ पर है, कलीसिया में पीछे बैठी हुई है, वह और उसका प्रिय पति, प्रभु में एक अद्भुत समय बिता रहे हैं। क्या वो अद्भुत नहीं है?

4 और मैं नहीं जानता कि... यहाँ, आमतौर पर, लोगो को जो आसपास है, यहाँ शायद ही कभी यहाँ उन्हें दर्शन आते हैं। यह मेरा घर है। और, मेरा मतलब है, कलीसिया में।

5 रविवार, एक सप्ताह, हम... व्हील चेयर पर बैठे व्यक्ति को देखने के लिए कितने लोग यहाँ थे? जो अंधा, अपंग, असंतुलित था, और मानसिक नसें जा चुकी थी, और मेयोस ने उसे छोड़ दिया था। और—और मेरे किसी कैथोलिक डॉक्टर मित्र ने उसे यहाँ पर भेजा। और सभा में आने से पहले, प्रभु ने मुझे उस व्यक्ति का दर्शन दिया। यह आप सभी जानते हैं। और वहां वह व्यक्ति **यहोवा यों कहता है**, के द्वारा चंगा हो गया। देखा? और फिर वो उठा, बाहर चलकर गया, उसकी व्हील चेयर को लिया, देख सकता था जैसे आप देख सकते है या मैं देख सकता हूँ। और सामान्य रूप से अपनी चेयर को धक्का देकर इमारत से बाहर चलकर गया। और संतुलन करने वाली नस... आप जानते हैं, आप अपने आप को संभाल नहीं सकते, देखो, आप बस नहीं कर सकते। और वर्षो से बैठा हुआ था।

6 और कल जब मैं वहाँ गया, तो वो महिला सपना देख रही थी कि मैं अंदर आ रहा हूँ, तभी दो बजे, और उसे "कैंसर के साथ," बताया और फिर, "**यहोवा यों कहता है**, 'वह चंगी हो गई थी।'" और—और वह उठी, और ये बिल्कुल ठीक दो बजे थे। और प्रभु का आत्मा नीचे उतरा, और वहां वो—वो सपना जिसे उसने देखा था, और प्रभु ने उसका अनुवाद दिया। और वह ठीक वहीं पर चंगी हो गई, ठीक तभी, ठीक वहां जहां हम देख रहे थे। कितना अद्भुत!

7 उसका नाम याद नहीं आ रहा है। यह क्या है? आपका नाम क्या है, बहन? वाल्टन, बहन वाल्टन, वहाँ पीछे बैठी हुई हैं। क्या आप बस खड़ी हो जायेंगी, बहन वाल्टन? आपसे पूछना चाहता हूँ कि आप कैसा महसूस कर रही हैं। [बहन वाल्टन कहती हैं, "यह बस अद्भुत है।"—सम्पा।] आमीन। यह अच्छी, उत्तम और बढ़िया बात है। वो बहुत भला है, हमें इस तरह से आशीष देने के लिए। इसलिए हम परमेश्वर के बहुत बड़े माप की अत्याधिक, बहुतायत से अपेक्षा कर रहे हैं।

8 एक डॉक्टर ने यह बात उससे छिपाए रखी थी। उसने उससे कहा कि "वो केवल एक तरफ से सांस ले रही है।" यह क्या था, कैंसर पूरा फैल गया था और फेफड़े से एक तरफ से सांस लेना बंद कर दिया था, आप

देखना। आप एक्स–रे के जरिये से कैंसर नहीं देख सकते, क्योंकि कैंसर एक कोशिका होती है, और यह—यह जीवन है। और आप—आप—आप बस—आप—बस आप सीधे एक्स–रे से कैंसर की ओर देखेंगे। आप इसे नहीं देखते हैं।

9 और, लेकिन प्रभु ने वास्तव में... हम वहां पर खड़े थे और इसे खुद अपनी आंखों से देखा। इसे निकलते हुए देखा, और इसे अपनी खुद की आंखों से जाते हुए देखा। तो, हम इसके लिए बहुत आभारी हैं।

10 और अब, हमारे लिए अब प्रार्थना करें, इस सप्ताह, जबकि हम जा रहे हैं। और भाई नेविल बुधवार की रात की सभा को, हो सकता है वहीं से आरंभ करेंगे जहां से मैंने छोड़ा था। प्रकाशितवाक्य की किताब की इस महान श्रंखला में, अब इससे चुकना मत।

11 मैं जानता हूँ कि बहुत प्रार्थना की गई है, और हम—हम जानते हैं कि परमेश्वर प्रार्थना को सुनता है। लेकिन हम, आज सुबह, हम किताब को पढ़ने से पहले बस एक छोटी सी प्रार्थना को करना चाहते हैं। अब, कोई भी व्यक्ति जो हृष्ट–पुष्ट है, *इस* तरह से किताब को लेकर पढ़ सकता है, या इसे *इस* तरह से खोल सकता है। लेकिन समझ को खोलने के लिए केवल परमेश्वर की आवश्यकता होती है, क्योंकि केवल वही वो एक है जो इसे कर सकता है।

तो आईये हम कुछ क्षण के लिए सिरो को झुकाते हैं।

12 अब, पिता, आपके प्रिय पुत्र, प्रभु यीशु के नाम में, हम अब बहुत ही नम्रतापूर्वक स्वयं को समर्पित करने के लिए आये हैं, आपके दासों की नाईं, कि आप हमारे जरिये से बातें करें। बोलने वाले होठों और सुनने वाले कानों का खतना कीजिये, जिससे कि वचन परमेश्वर के द्वारा बोला जा सके, और आत्मा के द्वारा लोगों में सुना जा सके। इसे प्रदान करे, पिता। होने पाए कि वह परमेश्वर के वचन को ले और हमारी आवश्यकता के अनुसार हमारे लिए सेवकाई करे, क्योंकि हम इसे उसके नाम और उसकी महिमा के लिए मांगते हैं। आमीन।

13 अब, आज सुबह पढ़ रहे हैं, हम अध्ययन कर रहे हैं। हम—हम प्रचार नहीं कर रहे है; केवल इब्रानियों की इस किताब का अध्ययन कर रहे हैं। कितने लोग इसका आनंद ले रहे हैं? ओह, हमारे पास बहुत अच्छा समय है! और अब बस नजदीक से अध्ययन करते हुए, वचन पर वचन। यह

अवश्य ही... संपूर्ण, पूरा बाईबल एक साथ जुड़ता है। एक भी वचन उसके स्थान से बाहर नहीं होता है, यदि इसे पवित्र आत्मा के द्वारा एक साथ रखा जाए।

14 अब मनुष्य ने कहा है, "बाईबल स्वयं की बात को काटती है।" मैं इसे देखना चाहता हूँ। मैंने इसके विषय में पच्चीस वर्ष लोगो से पूछा हैं, और अभी तक किसी ने इसे नहीं दिखाया है। बाईबल कोई भी बात को नहीं काटती है। यदि ऐसा है, तो यह बाईबल नहीं है। महान, अनंत यहोवा अपना खुद का खंडन नहीं कर सकता है, इसलिए बाईबल में कोई बात खुद को नहीं काटती है। यह तो केवल लोगों की गलतफहमी है।

15 अब जरा कुछ बुनियाद के लिए लेंगे, जब तक हम वापस नहीं जाते। अब, इब्रानियों की किताब संत पौलुस के द्वारा इब्रानियों के लिए लिखी गई थी। उसने एक किताब इफिसियों के लिए लिखी, वह इफिसुस, मसीही कलीसिया के लोग थे; रोम में एक किताब रोमियों के लिए; और एक गलातियों के लिये; और एक इब्रानियों के लिए लिखी।

16 अब, हम ध्यान देते हैं कि पौलुस, एक बाईबल का शिक्षक होने के नाते, जो आरंभ से ही था। यही है जो हमने सीखा। कि वो उस बड़े शिक्षक, गमलीएल की अधीनता में रहा था, उसके सबसे महान दिनों में से एक। और वह पुराने नियम का अच्छा जानकार था। वह इसे अच्छी तरह से जानता था। लेकिन उस मार्ग का सताने वाला बन गया जो मसीह का मार्ग था, क्योंकि उसे पुराने नियम में शिक्षकों के अधीनता में प्रशिक्षित किया गया था। लेकिन शिक्षक, अक्सर शारीरिक... मैं आशा करता हूँ कि मैं कुछ भी गलत नहीं कहूंगा।

17 लेकिन, अक्सर, यदि एक मनुष्य के पास बस शिक्षा होती है और स्कूलों का जो तरीका होता है, तो यह आमतौर पर मनुष्य का बनाया हुआ होता है। देखिए, यह प्रेरणा से नहीं होता है, क्योंकि यह एक स्कूल का मत–सिद्धांत बन जाता है। हमारे पास आज ऐसा ही है। प्रेस्बिटेरियन, लूथरन, पेंटीकोस्टल, इन सभी स्कूलों के पास उनके अपने मत–सिद्धांत हैं, और वे इसमें केवल वचनों को हवा देते हैं।

18 और पुराने नियम में भी ऐसा ही था। लेकिन, पौलुस, अच्छी तरह से प्रशिक्षित होने के कारण, और वचन दर वचन पवित्रशास्त्र को जानता था। लेकिन, आप देखो, उन वचनों को, चाहे आप उन्हें कितना भी अच्छी तरह

से जानते हों, यदि आत्मा उन्हें नहीं जिलाता है, तब शब्द मार डालता है। आत्मा जीवन देता है। देखो, इसे अवश्य ही जिलाया जाना है, या आत्मा के द्वारा, जीवित किया जाना है। यदि आत्मा वचन को जीवित नहीं रखता है और इसे आपके लिए वास्तविक नहीं बनाता है, तो शब्द केवल बौद्धिक है। यहीं है जहाँ आज हमारे पास बहुत से अंगीकार किए गए मसीही लोग हैं, या मसीही होने का दावा करते है, ये मसीह की वह बौद्धिक विचारधारा है।

19 फिर हम इसमें जाने लगते है, "खैर, उसे कुछ महसूस होना चाहिए था; और आपको कुछ करना चाहिए था।" और, ओह, हम थोड़ी देर के बाद इस सब बातों में जाएंगे। एक को चिल्लाना था। मेथोडिस्ट को हमेशा चिल्लाते है, इससे पहले उनके पास ये हो। पेंटीकोस्ट लोगों को अन्य भाषा में बोलना है इससे पहले उनके पास ये हो। और, ओह, उनमें से कुछ, कंपन करने वालो को हमेशा कंपन होता है। जी हां। पुराने... वे ऊपर–नीचे चलते, एक तरफ पुरुष, दूसरी तरफ महिलाएं। समझे? कंपन करने वाले। तब पवित्र आत्मा उन पर उतरा और उन्हें हिला दिया। "उनके पास ये था।" लेकिन यह सब केवल काल्पनिक है। इसमें से कोई भी सत्य नहीं है।

20 परमेश्वर अपने वचन में रहता है। "विश्वास सुनने से, वचन के सुनने से आता है।" "विश्वास के द्वारा, अनुग्रह में से होते हुए आप उद्धार को पाते हो।" किसी भी चीज से नहीं, चाहे आप कंपकंपाये, या अन्य जुबान से बोलें, या जो कुछ भी बात जगह ले। इससे इसका बिल्कुल भी कोई लेना–देना नहीं है। यीशु ने कहा, "वह जो मेरे वचनों को सुनता है और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है। वो जो मेरा वचन सुनता है और विश्वास करता है," उसके लिए जिलाया जाता है, "उसके पास अनन्त जीवन है।" वहाँ है ये। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन से छोटे से काम को करते हैं।

21 अब, मैं कंपन, या अन्य जुबान से बोलने, या कंपन के विरुद्ध में नहीं हूं, ओह, ना उस—उस चिल्लाने के। यह सब ठीक है। इसमें कोई बात नहीं। लेकिन यह तो केवल गुण है। समझे? मैं आपको पेड़ से एक सेब को दे सकता हूँ, और आपके पास अब भी पेड़ नहीं होगा। देखा? आप... यह तो गुण हैं।

22 झूठ बोलना, चोरी करना, शराब पीना, धूम्रपान करना, जुआ खेलना, व्यभिचार करना, यह पाप नहीं है, यह अविश्वास का गुण है। देखा? यही

है आप—आप... आप ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि आप एक पापी हैं। देखा? लेकिन पहले आप पापी हो। यही कारण है कि आप ऐसा करते हैं, क्योंकि आप विश्वास नहीं करते हैं। और यदि आप विश्वास करते है, तो आप ऐसा नहीं करते हैं। तब आपके पास प्रेम, आनन्द, शान्ति, सहनशीलता, भलाई, नम्रता, दीनता, धीरज होता है। यही पवित्र आत्मा का फल है। देखा?

23 तो हमारे पास छोटी–छोटी चीजें है, छोटी अनुभूति, क्योंकि वह मनुष्य वचन के पुराने, हताश रास्ते से हट गया है। यह वचन है। "विश्वास सुनने से आता है।"

24 तो जब पौलुस... परमेश्वर ने पौलुस को चुना। मनुष्य ने मत्तिय्याह को चुना। जब वह... उन्होंने चिट्ठी डाली, लेकिन उसने कभी कुछ भी नहीं किया। इससे पता चलता है कि तब कलीसिया के पास कैसी एक सामर्थ है, चुनाव को करते है, कि अपने डिकन को चुनते है, और अपने प्रचारकों को अलग–अलग जगहों पर भेजते है। वह बहुत सी बार शारीरिक होता है।

25 एक मनुष्य को वहां जाने दो जहां परमेश्वर उसे जाने के लिए अगुवाही करता हैं। मैं इसे पसंद करता हूँ। यदि एक विचार सभा में लोग बस कहते हैं, "ठीक है, यहाँ एक अच्छी कलीसिया है। इस भाई ने एक अच्छी कलीसिया बांधी है। और हमारे पास एक छोटा सा पालतू व्यक्ति है।" वे उसे इस कलीसिया में भेज देंगे। वे इस बात को नहीं समझते है कि वे खुद को खत्म कर रहे हैं। देखा? पहली बात, यदि वह मनुष्य वहाँ जाता है, तो वह उस व्यक्ति की जगह नहीं भर सकता। तब वे केवल कलीसिया को कमजोर करते हैं, किसी पालतू व्यक्ति के पक्ष में दिखाने की कोशिश करते हैं। यह हमेशा से ऐसा ही रहा है।

26 लेकिन मैं स्थानीय संगति के सर्वोच्च अधिकार में विश्वास करता हूं। जी हां। हर एक के कलीसिया को अपना अधिकार होने दें, उसके पास्टरो को चुनने का, उसके डीकनो को चुनने का, इसके, ये जो कुछ भी है। और फिर, इस तरह से, वहाँ जो मनुष्य है उसके ऊपर कोई बिशप नहीं होता है। पवित्र आत्मा उस कलीसिया से कुछ तो कहना चाहता है, उन्हें किसी से यह पूछने की आवश्यकता नहीं है कि क्या वे *ऐसा* कर सकते हैं या *वैसा* कर सकते हैं। यह तो व्यक्तिगत पवित्र आत्मा के साथ संपर्क में होती है। मुझे बाईबल से दिखाये कि बाईबल में स्थानीय कलीसिया के लिए

एक स्थानीय प्राचीन से बड़ा कौन होता है? यह सही है, जी हाँ, श्रीमान, स्थानीय कलीसिया की प्रधानता, हर एक कलीसिया की अपने आप में होती है। अब, भाईचारा, यह बहुत अच्छी बात है। सारी कलीसियाओं को एक साथ ऐसे ही भाईचारे में होना चाहिए। लेकिन स्थानीय कलीसिया की प्रधानता!

27 ध्यान दें कि पौलुस, उसका एक महान गुरु शिक्षक होने पर, वो अच्छी तरह से प्रशिक्षित था, एक दिन दमिश्क के रास्ते में, लोगों को गिरफ्तार करने के लिए जा रहा था, जो लोग इस नये मार्ग में थे। अब, वह ईमानदार था। परमेश्वर आपको आपकी ईमानदारी से नहीं आंकता। मैंने कभी भी मूर्तिपूजक से अधिक ईमानदार लोगों को नहीं देखा। उनमें से बहुत से तो व्यर्थ में अपने खुद के ही बच्चों को मार डालते हैं, एक मूर्ति को बलिदान चढाने के लिए—के लिए। यह कोई ईमानदारी नहीं है। एक मनुष्य ईमानदारी से कार्बोलिक एसिड पी सकता है, यह सोचकर कि वह कुछ और पी रहा है। ईमानदारी आपको नहीं बचाती है। "वहां एक मार्ग है जो मनुष्य को ठीक दिखाई पड़ता है, लेकिन उसके अंत में मृत्यु का मार्ग है।"

पौलुस ईमानदार था जब उसने गवाही दी, अपने खुद के अधिकार से, कि स्तिफनुस को पत्थरवाह करे। वर्षों बाद, मैं पौलुस की क्षमा मांगने को पसंद करता हूँ, उसने कहा, "मैं चेला कहलाने या एक प्रेरित कहलाने के भी योग्य नहीं हूँ, क्योंकि मैंने कलीसिया को मृत्यु तक सताया।" ईमानदारी से!

28 और सड़क पर जाते हुए, उसे एक अनुभव मिला। पवित्र आत्मा आग के एक बड़े खंभे में बाहर आया, और उसने उसे अंधा कर दिया। अब, हमने इस बात को बता चुके हैं, कि आग का खंभा मसीह था। और वो वही आग का खंभा है जिसने बच्चों को जंगल में से होते हुए अगुवाही की। मसीह परमेश्वर था, और परमेश्वर मसीह था। परमेश्वर देहधारी हुआ और प्रभु यीशु के शरीर में वास किया। "परमेश्वर मसीह में था, संसार को अपने साथ मिला रहा था," दिखा रहा है कि वो क्या था।

29 यहाँ पीछे बाईबल में, पिछले पदों में हम पढ़ते आ रहे है, कि, "उसने अपने आप को दूतो से कम बनाया। रूप को लिया, ना ही दूतो का, लेकिन देह के रूप को लिया।" दूत नहीं गिरे थे, उन्हें किसी छुटकारे की आवश्यकता नहीं थी। देह गिर गयी थी, मनुष्य जाति, और उन्हें छुटकारे की

आवश्यकता थी। तो, पुराने नियमो में, एक मनुष्य, एक—एक छुड़ानेवाला बनने के लिए, पहले उसे निकट कुटुम्बी होना था; रूत की उस महान किताब में, हम कुछ समय पहले हमने यहां से बताया था। और किस तरह से वो परमेश्वर आत्मा होने पर, हमारे साथ निकट कुटुम्बी बना था, हम में से एक बनते हुए, जिससे कि हमें छुड़ा सके और हमें अनन्त जीवन दे। उसे हममें से बनना था, कि हम उस अनुग्रह में से होते हुए उसके समान बन सके।

30 और हम देखते हैं कि आग का खंभा इस्राएल के बच्चों का नेतृत्व करता है। और जब यह यहाँ धरती पर देहधारी बना था, तो हम उसे एक दिन बात करते हुए सुनते हैं, और उसने दावा किया कि वह आग का खंभा था। उन्होंने कहा, "तुम कहते हो कि तुम हमारे पिता अब्राहम से बड़े हो? "

31 उसने कहा, "अब्राहम के से पहले, **मैं हूँ**।" **मैं हूँ**, वो कौन था? जलती हुई झाड़ी में आग का खंभा, हर पीढ़ी में से होते हुए एक निरंतर यादगार रहा था; ना ही केवल उस पीढ़ी के लिए, लेकिन इस पीढ़ी के लिए, वही आग का खंभा है। और हम आज सुबह आभारी हैं कि हमारे पास यहाँ तक इसकी तस्वीर भी है, कि वह नहीं बदला है। वह अमरहार, अनंत, एक जो धन्य है। वो अब उन्ही कामो को करता है जो उसने तब किये थे, और यह हमें कितना खुश करता है!

32 लेकिन इससे पहले कि पौलुस को ये अनुभव मिलता... यह जानते हुए कि प्रभु का दूत आग का खंभा था, जो कि मसीह था... तो ठीक है, वो वाचा का दूत था, जो कि मसीह था। मूसा ने बेहतर सोचा, कि, बजाये इसके उसने मसीह के लोगों के साथ कष्टों को सहना चुना, और मिस्र के सारे खजानों से बढ़कर मसीह के द्वारा अगुवाई को चुना। वो मसीह के पीछे चला, जो एक अग्नि के खंभे के रूप में था।

33 तब मसीह ने कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूँ," जब वो यहाँ धरती पर था, "मैं वापस परमेश्वर के पास जाता हूं।" उसके मृत्यु, गाढे जाने, पुनरुत्थान के बाद, महिमामय शरीर, महामहिम के दाहिने हाथ पर, बिचवाई करने के लिए बैठा हुआ है; पौलुस ने उसे फिर से अग्नि के खंभे के रूप में देखा: एक प्रकाश जिसने उसकी आँखों को लगभग निकाल दिया; उसे अंधा कर दिया।

34 पतरस ने उसे जेल में प्रकाश के रूप में आते देखा, और जब वो बाहर निकला तो उसके सामने के द्वार खुल गए। हम देखते है कि वो अल्फा और ओमेगा, पहला और अंतिम था।

35 और यहाँ पर वो आज हमारे साथ है, बिल्कुल उन्ही कामो को कर रहा है जो उसने उस समय किये थे, अपने आप को वापस हमारे लिए प्रकट में लाते हुए, वैज्ञानिक दुनिया को इसे दिखाते हुए।

36 ओह, धरती पर के इस बड़े अंधकार और गड़बड़ी की घड़ी में, हमें सारी धरती पर सबसे खुशहाल लोग होना चाहिए, कि यह जानकार आनंद करे। हर समय, जब लोग शिक्षित हैं, और धरती पर सभी प्रकार के वाद और बातें होती हैं, और फिर भी, आज, वास्तविक, जीवित परमेश्वर, उसके वचन के द्वारा और उसके स्पष्ट प्रमाण के द्वारा, हमें दिखाता है कि वो यहाँ हमारे साथ है, काम करते हुए, आगे बढ़ते, रहते हुए, बिल्कुल ठीक उसी तरह से कार्य करते हुए जैसे उसने हमेशा से किये। हम कितने सौभाग्य प्राप्त किये हुए लोग हैं, कि हमारे पास यह है! हमें चाहिए... तब बाईबल ने कहा, दूसरे अध्याय में, "हमें इन बातों को कसकर थामे रखना चाहिए। क्योंकि, यदि हम इतने महान उद्धार को अनदेखा करते हैं तो हम भला कैसे बच निकलेंगे? "

37 अब, हम इसे आगे देखेंगे, इससे पहले कि पौलुस को वो अनुभव प्राप्त हो... अब, हम बात को अंदर डाल रहे हैं। अब, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके पास कभी किस प्रकार का अनुभव हुआ है, कलीसिया, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कितना अच्छा दिखाई देता है, कितना वास्तविक दिखाई देता है, इसे अवश्य ही पहले बाईबल के द्वारा जांचना चाहिए। हमेशा ही वचन पर! किसी भी तरह के अनुभव के लिए उसे कभी न छोड़ें।

38 और पौलुस इससे पहले वो इसे स्वीकार करे, वो अरब को चला गया, और वहां तीन वर्ष रुका रहा, वचन के साथ इस अनुभव को जाँच रहा था। और जब वह वापस आया, तो उसे यकीन हो गया था। कोई भी बात उसे परेशान नहीं कर सकती थी, क्योंकि वह वचन पर दृढ़ था, अटल बना हुआ था। और यहीं है जहाँ पर वह इन इब्रानियों को दिखाने के लिए मुड़ रहा है, वे महान बातें, जिनके बारे में पुराने नियम के बारे में बोला गया था, वो यीशु मसीह में प्रगट हुई थीं। क्या ही महिमा है!

39 अब, पिछले रविवार, या पिछले बुधवार, भाई नेविल ने यहाँ, 5वें अध्याय में, कुछ बहुत ही ऊँचे स्थानों का विवरण किया, क्योंकि यह एक अद्भुत अध्याय है। और हम उसे देखते हैं कि वह चौथे अध्याय में व्यवहार करता है, पिछले रविवार, *सब्त* पर लिया था, सब्त को मानने वाले। क्या आपको यकीन हैं, आज सुबह, क्या आप जानते हैं कि सब्त का पालन करना क्या है? यदि आप जानते है तो कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

40 *सब्त* "विश्राम" होता है जिसमें हम प्रवेश करते हैं, ना ही दिन के द्वारा, ना ही व्यवस्था के द्वारा, लेकिन मसीह में प्रवेश करने के द्वारा जो कि हमारा सब्त है। वो हमारा सब्त है। हम इसे पूरे पुराने नियम में से होकर बताया हैं, और दिखाया है कि समय आएगा जब वचन आएगा "आज्ञा पर आज्ञा, नियम पर नियम।" और उसने साबित किया कि हमने पेंटीकोस्ट के दिन उसके विश्राम में प्रवेश किया है, "इसके लिए थके हुए लोगों को विश्राम मिलेगा, शांति।"

41 हम देखते है कि, "परमेश्वर ने दाऊद में एक दिन को ठहराया, सातवे दिन के विषय।" और, "परमेश्वर ने सातवें दिन विश्राम किया।" इसे जंगल में उन—उन इस्राएल के बच्चो को देता है। "और फिर से, उसने एक दिन को ठहराया।" वह कौन सा दिन था? सप्ताह में एक ठहराया दिन? "जिस दिन तुम उसकी आवाज़ को सुनो, उस दिन अपने हृदय को कठोर ना करना।" यही वो दिन है वो प्रवेश करता है, ताकि आपको एक अनन्त शांति, को दे, एक अनन्त सब्त।

42 तब आप धार्मिक बनने के लिए रविवार को कलीसिया नहीं जाते। जब आप परमेश्वर की आत्मा से जन्म लेते हैं, तो आप हमेशा के लिए विश्राम में प्रवेश करते हैं, अब और कोई सब्त को मानना नहीं है। आप निरंतर सब्त *में* है, हमेशा के लिए, और अनंत काल के लिए हैं। "आपके सांसारिक कार्य समाप्त हो चुके हैं," बाईबल कहती है, "और आपने इस धन्य शांति में प्रवेश किया है।"

43 ये पहले पाँच अध्याय यीशु को महायाजक के रूप में स्थान में स्थापित करते हैं। "परमेश्वर ने विविध समयों और विविध तरीको से भविष्यद्वक्ताओं के जरिये से पूर्व–पिताओ से बातें कीं, लेकिन इस अन्तिम दिन में अपने पुत्र यीशु के जरिये से," 1ला अध्याय, 1ला पद।

44 उसके बाद 5वें अध्याय के अंत तक, हम उसे पाते है वो प्रतिनिधित्व करता है मलकिसिदिक के नाई, जिसकी दिनों की ना ही शुरुआत थी, ना ही उसके जीवन का अंत था, लेकिन सदा, हमेशा के लिए एक याजक है। इस पर सोचे। यह महान पुरुष कौन था? हम इसे लगभग दो और अध्यायों में जान लेंगे, उसका सम्पूर्ण जीवन, हम अध्ययन करने जा रहे हैं: यह महान पुरुष जो अब्राहम से मिला, जिसका कभी कोई पिता नहीं था, कभी कोई माता नहीं थी, उसके पास कभी कोई ऐसा समय नहीं था जब उसके कभी जीवन की शुरूवात हुई हो, या उसके पास कभी ऐसा समय नहीं होगा कि उसके कभी भी जीवन की समाप्ति हुई हो। और वह अब्राहम से मिला, जब राजा को मार कर लौट रहा था।

45 इस महान व्यक्ति पर ध्यान देंना, ये जो कोई भी था, अब भी जीवित है। उसके जीवन का कोई अंत नहीं था। यह मसीह था, जिससे वो मिला। हम कुछ दिनों में इसका गहराई से अध्ययन करने जा रहे हैं।

46 अब, हम यहाँ अब 5वें अध्याय में आरंभ करना चाहते हैं, इससे पहले हम उस—उस 6ठे अध्याय की ओर पहुंचे, बस छोटे से बुनियाद के लिए, क्योंकि यह वास्तव में कुछ तो एक विशेष है। नजदीक से देखें। हम इस अध्याय के लगभग 7वें पद से शुरू करने जा रहे हैं। तो ठीक है, आइए 6ठे पद से शुरू करते हैं।

> *वह दूसरी जगह में भी कहता है, तू मलिकिसिदक की रीति पर सदा के लिये याजक है।*
>
> *अपनी देह में रहने के दिनों में जब उसने... ऊंचे शब्द से पुकार पुकार कर, और... आंसू बहा बहा कर प्रार्थनाएं और बिनती की... उस से जो उस को मृत्यु से बचा सकता था, और भक्ति के कारण उस की सुनी गई;*
>
> *हालाँकि पुत्र होने पर भी... उस ने दुःख उठा उठा कर आज्ञा माननी सीखी;*

47 अब यहाँ है जहाँ मैं इस 9वें पद को लेना चाहता हूं। सुनना। मैं सोचता हूँ कि भाई नेविल ने बुधवार को इसे लिया था। मैं यहाँ पर नहीं था। तो ठीक है, सुनना।

> *और सिद्ध बन कर, अपने सब आज्ञा मानने वालों के लिये सदा काल के उद्धार का कारण हो गया;*

और उसे परमेश्वर की ओर से मलिकिसिदक की रीति पर महायाजक का पद मिला।

इस के विषय में हमें बहुत सी बातें कहनी हैं,...

48 हम इसे यहीं छोड़ देते हैं, क्योंकि हम कुछ ही रातों में मलिकिसिदक को लेने जा रहे हैं।

49 अब हम इस पर आरंभ करने जा रहे हैं, जो हमारा नियमित अध्ययन है। मैं चाहता हूँ... मैं इसके बाकी के भाग को एक क्षण के लिए पढ़ूंगा, 11वां पद।

जिसके लिए हमें बहुत कुछ कहना है,... समझना कठिन है, इसलिये कि तुम ऊंचा सुनने लगे हो।

क्योंकि... समय के विचार से तो तुम्हें गुरू हो जाना चाहिए था, तौभी क्या यह आवश्यक है, कि कोई तुम्हे फिर से सिखाए जो परमेश्वर के वचनों की आदि शिक्षा हैं; और वे ऐसे हो जाते हैं, कि उन्हें तगड़े मांस के बदले *दूध की आवश्यकता होती है।*

क्योंकि दूध पीने वाले *बच्चे को तो धर्म के वचन की पहिचान नहीं होती; क्योंकि वह बालक है।*

ओह, मैं आशा करता हूँ कि पवित्र आत्मा अब आप के अंदर गहराई में ले गया है।

क्योंकि उनको जो—जो दूध पीने वाले बच्चे है धर्म के वचन की पहिचान नहीं होती; क्योंकि वह *एक बालक है।*

50 आप एक बच्चे को तगड़ा मांस देंगे, आप उसे मार डालेंगे। यही वो कारण है कि बहुत से लोग कहते हैं, "आह, मैं—मैं इसे विश्वास नहीं करता हूं," और चले जाते है। अभी भी बच्चे है! वे बस नहीं समझ सकते हैं। वे उस सत्य को ले नहीं पाते हैं। यह—यह उन्हें मार डालता है। कलीसिया को आज महान, सामर्थी बातें जानना चाहिए, लेकिन आप इसे सिखा नहीं सकते। वे—वे—वे—वे—वे इस पर ठोकर खाते हैं। वे नहीं जानते कि इसके साथ क्या करना है।

51 पौलुस, इस इब्रानी झुण्ड से बात कर रहा है... फिर भी, वे विद्वान जिनसे वो अब बात कर रहा हैं, विद्वान, अच्छी तरह से शिक्षित। हम यह देखते हैं, कुछ ही देर—कुछ ही देर में, जो बहुत ही विद्वान है। लेकिन गहरा

आत्मिक रहस्य, कलीसिया अब भी इसके लिए अंधी है। उसने कहा, "जब कि तुम्हे दूसरों को शिक्षा देना चाहिए, तुम अब भी एक बालक हो।"

52 ओह, मैं जानता हूं कि बहुत से लोग उठ खड़े हुए हैं और बाहर जाकर और कहते हैं, "ओह, मुझे अब कलीसिया जाने की आवश्यकता नहीं है। परमेश्वर की स्तुति हो, पवित्र आत्मा आया है, वही वो शिक्षक है।" जब आपको ऐसे विचार आते है, तो आप बस गलत हैं। इस कारण पवित्र आत्मा ने क्यों कलीसिया में शिक्षकों को रखा है यदि वो शिक्षक बनने जा रहा है? देखा? वहां पहला प्रेरित, भविष्यद्वक्ता, शिक्षक, प्रचारक और पास्टर हैं। पवित्र आत्मा ने कलीसिया में शिक्षकों को स्थापित किया, जिससे कि वो उस शिक्षक के जरिये से सिखा सके। और यदि यह—यह वचन के अनुसार नहीं है, परमेश्वर इसकी पुष्टि नहीं करता है, तब यह सही प्रकार की शिक्षा नहीं है। इसकी अवश्य ही संपूर्ण बाईबल से तुलना होनी चाहिए, और आज भी बिल्कुल वैसी ही जीवंत होनी है जैसी उस समय पर थी। वहां प्रकट की गई वास्तविक चीज़ है।

53 अब ध्यान दे।

> *लेकिन तगड़ा मांस उन्हीं के लिए है, उनके लिए जो... सयाने उम्र के है, यहाँ तक वे जो जो कारणों से पक्के हो... उनके भले बुरे में भेद करने के लिये* पक्के *हो गए हैं।*

परखने के द्वारा जानते है क्या सही है क्या गलत है।

54 अब ध्यान दें, अब हमारे विषय पर आरंभ करते हैं। अब यह महान पृष्ठभूमि, आइए हम 1ले पद के लिए चलते हैं।

> *इसलिए मसीह के शिक्षा के सिद्धांतों को छोड़,...*

वो क्या बोल रहा है? ये सारे पहले पाँच अध्याय मसीह पर लिखे गए हैं, यह दिखाने के लिए कि वो कौन है। अब हम मसीह के उन शिक्षाओ के सिद्धांतों को छोड़ रहे हैं।

55 हम उसे क्या पाते हैं? हमने उसे पाया कि वो महान यहोवा परमेश्वर है जो देह में प्रकट किया गया है। हमने उसे पाया कि—कि वो एक भविष्यद्वक्ता नहीं होगा, लेकिन परमेश्वरत्व के दैहिक रूप की परिपूर्णता है। वह यहोवा देहधारी हुआ था। और वो शरीर, यीशु, उसे केवल भवन बनाया। परमेश्वर मनुष्य में वास करते हुए। परमेश्वर का मनुष्य के साथ मेल–मिलाप हो

गया, मनुष्य के जरिये से, कुँवारी जन्म के द्वारा जो उसका निज पुत्र है। और यहोवा, उस आत्मा ने, उसमें वास किया।

56 अब, कितने लोगो परमेश्वरत्व के बारे में शिक्षा याद हैं, हमने किस तरह से पीछे जाकर और परमेश्वर को उस बड़े मेघधनुष के समान पाया जिसमें सारी भिन्न आत्मा थीं, वह कैसा था? और उसके बाद परमेश्वर में से लोगोस बाहर आया, जो कि दैविक शरीर बन गया, और वो एक मनुष्य के रूप में था। और मूसा ने उसे चट्टान की दरार में से गुजरते हुए देखा। और उसके बाद वो दैविक शरीर पूरी तरह से मनुष्य देह बन गया, जो मसीह है।

और हम किस तरह से उसके अनुग्रह में से होते हुए देखते है कि हमारे पास अनन्त जीवन है। अब, वचन *हमेशा के लिए* है, "दूर तक के लिए होता है; कुछ समय की अवधि के लिए।" इसे कहा गया, बाईबल में, "हमेशा *और* हमेशा के लिए," एक जोड़। लेकिन *हमेशा के लिए* इसका मतलब केवल "एक समय" होता है। लेकिन अनंत का मतलब सदा के लिए होता है। और सिर्फ हर उस चीज की शुरुवात होती है उसका अंत है, लेकिन जिन चीजों की शुरुवात नहीं है, उसका कोई अंत नहीं है। तो परमेश्वर की कोई शुरुआत नहीं थी और उसका कोई अंत नहीं है।

57 और सो, इसलिए, मलिकिसिदक, वो महान याजक, एक मनुष्य के तरह था, उसकी कोई शुरुवात नहीं थी और न ही उसका कोई अंत था। और जब हम, उस दैविक शरीर के जरिये से, कि, इससे पहले जगत को बनाया गया था हम परमेश्वर के स्वरूप में बनाए गए थे; जब वो दैविक शरीर देहधारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किया, तब, उसकी मृत्यु के द्वारा, हम अपने आप के लिए उसकी आत्मा को ग्रहण करते हैं, और हमारा कोई अंत नहीं होता है; अनन्त जीवन; ना ही दूत, लेकिन पुरुष और महिलाएं। ओह, मैं... किसी भी तरह, यदि मैं इसे केवल इस तरह से ले सकता कि मेरे—मेरे सभा के लोग इसे समझ ले! आप कभी भी एक दूत नहीं होंगे। परमेश्वर ने दूत बनाए, लेकिन परमेश्वर ने मनुष्य को बनाया। और जो परमेश्वर करता है वह परमेश्वर से है, जो अनंत है जैसे परमेश्वर अनन्त है। और मनुष्य अपने सृष्टिकर्ता के जैसे ही अनन्त है, क्योंकि वह अनंतता से बनाया गया था।

58 लेकिन पाप का अंत है, दु:ख का अंत है। इसलिए, वहां एक अनंत नरक नहीं हो सकता है। वहाँ एक नरक है, आग और गंधक है, हम यह जानते हैं, लेकिन वहां कोई अनन्त नरक नहीं है। वहां अनन्त जीवन का केवल एक ही प्रकार है और वह परमेश्वर का है। यदि आप सदा के लिए सहन करते है, तो आपके पास अनन्त जीवन है। नरक का अंत है, यह हो सकता है अरबों वर्ष हो, लेकिन अत: ये समाप्ति में आ जाएगा।

59 बाईबल कहीं भी ऐसा नहीं कहती है कि उन्होंने अनंत काल के लिए सहन किया, कहा, "हमेशा और हमेशा के लिए।" योना ने सोचा कि वह व्हेल मछली के पेट में भी "हमेशा के लिए," है। *हमेशा के लिए* की एक दूरी या समय सीमा होती है। लेकिन *अनंतता* चिरस्थायी है, इसका कोई आदि या अंत नहीं होता है। यह एक गोलाकार, एक चक्र की तरह होता है। और जैसे–जैसे हमारा समय आगे बढ़ता है, हम केवल परमेश्वर के महान उद्देश्यों के इर्द–गिर्द घूम रहे होते हैं।

60 परमेश्वर का उद्देश्य मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाना था, उसके साथ संगति करना था। और उसने उसे एक भौतिक प्राणी बनाया। अब, पाप हमें भ्रष्टता के—के—के स्थान पर ले आया, लेकिन यह परमेश्वर की योजना को कभी भी नहीं रोकता है। और, पापी मित्र, आज, यदि आप परमेश्वर की आत्मा से नया जन्म नहीं लेते हैं, तो कहीं न कहीं आपका अंत है। और आपका अंत अस्त–वयस्त है, नाश में, और भोगते हुए और दु:ख में है। लेकिन आपके लिये जिन्होंने प्रभु यीशु पर विश्वास किया है, और वैसे ही अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में उसे स्वीकार किया है, यह बस उतने ही अनंत है जितना कि परमेश्वर अनंत है। आपका कोई अंत नहीं है, "मैं उन्हें अनंत *जोई* को देता हूँ, परमेश्वर का अपना जीवन, और वे कभी भी नाश नहीं होंगे या यहाँ तक न्याय में भी नहीं आएंगे, लेकिन मृत्यु से पार होकर जीवन में आ चुके है।" यही है जो वो था। इसी के लिए वह आया है।

61 अब, यीशु, उसके आगमन में, उसके याजकगण के लिए, केवल सहानुभूति के लिए नहीं आया था। बहुत से लोग इसे इसी तरह से सिखाते हैं, कि वह आता है, कहते हुए, "तो ठीक है, हो सकता है यदि मैं दु:ख उठाता हूं, तो मैं एक—एक—एक दयनीय दृष्टि में होऊंगा और निश्चित रूप से लोग मेरे पास आएंगे।" यह गलत है। उसके लिए कोई वचन नहीं है।

क्योंकि, हर एक व्यक्ति जो कभी भी बचाया जाएगा, परमेश्वर उन्हें दुनिया को बनने से पहले ही जानता था। बाईबील ऐसा कहता है। परमेश्वर अब नहीं चाहता है कि कोई भी नाश होना चाहिए। वह चाहता है कि वे सभी आकर पश्चाताप करें। परन्तु, परमेश्वर होने के नाते, पूर्वज्ञान के द्वारा वो इसे जानता था।

62 रोमियों में देखें, 8वां अध्याय। पौलुस वहां थामे हुए था, परमेश्वर के चुने जाने के विषय में कह रहा था, कि, "एसाव और याकूब, दोनों में से किसी भी बालक के जन्म होने से पहले, या कुछ भी, परमेश्वर ने कहा कि वह उन्हें जानता था और उसने एसाव से घृणा की थी और याकूब से प्रेम किया था," इससे पहले कि दोनों में से एक लड़के को उनके आभार को व्यक्त करने का एक—एक मौका हो, क्योंकि वो परमेश्वर था। वह जानता है... वह चिरस्थायी है। यदि वह चिरस्थायी है, तो वो हर एक पिस्सू, हर एक मक्खी, हर एक मच्छर, हर एक चीज को जानता है था जो कभी भी धरती पर होगा, वो इसे जानता था। वह चिरस्थायी, अनंत, अमरहार, धन्य परमेश्वर, सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापी, सर्वज्ञानी है। वहां ऐसा कुछ भी नहीं है जो वह नहीं जानता हो। यही कारण है कि वो बता सकता है कि अंत क्या होगा। वह अंत को आदि से जानता था।

63 जो भविष्यवाणी है वह बस उसका ज्ञान है। वह मुख्य वकील हैं। वो—वो वही—वह न्यायी है। और वह केवल उस—उस वकील से उसकी कुछ बुद्धिमता से बात करता है। और यही भविष्यवाणी है, जो इसे पहले से बता सकता है, क्योंकि वह जानता है कि क्या होने वाला है। अब, वहां परमेश्वर है जिसकी हम सेवा करते हैं। ना ही इतिहास का ईश्वर, ना ही बौद्धों और मुसलमानों और इत्यादि की तरह। लेकिन, एक परमेश्वर जो सर्वव्यापी है, ठीक अभी यहाँ आज सुबह है, अभी इस भवन में; महान यहोवा, **मैं हूँ**, जिसने पापी देह का रूप धारण लेने के लिए अपने आप को नम्रता से रचा। यहाँ वो है। यही है जिसने आपको छुड़ाया है। वहां कोई दूसरा नहीं हो सकता, कहीं भी नहीं, कभी भी इसे नहीं कर सकता।

64 वहाँ पर परमेश्वर के पास तीन लोग नहीं थे, और उनमें से एक को भेजा, उसका पुत्र। यह तो स्वयं परमेश्वर था, पुत्र के रूप में आया। एक पुत्र का आरंभ होता है, और पुत्र का आरंभ था। कि, आप में से कुछ प्रिय कैथोलिक लोग, मुझे उनकी किताब मिली, *हमारे विश्वास की सच्चाई,* कहा,

"परमेश्वर का अनंत पुत्रत्व।" आप उस शब्द को कैसे व्यक्त करेंगे? आप इसे किस तरह से समझ में लायेंगे? यह किस तरह से अनंत हो सकता है? यह बाईबल नहीं है। यह तो आपकी किताब है, "अनंत पुत्रत्व।" वे नहीं... वह शब्द सही नहीं है। क्योंकि, जिस किसी को भी एक पुत्र होता है, उसका आरंभ होता है, और अनन्त का कोई आरंभ नहीं है, इसलिए यह अनंत पुत्रत्व नहीं है। मसीह देहधारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किया। उसका एक आरंभ था। कोई अनंत पुत्रत्व नहीं था। यह अनंत परमेश्वरत्व है, ना ही पुत्रत्व। अब, वो हमें छुड़ाने के लिए आया, और उसने हमें छुड़ाया।

65 अब, पौलुस, वहाँ पहुँचते हुए, जो मुझे पक्का है कि पिछले अध्यायों के जरिये से आप इसे समझ गए हैं। हम इस पर कभी–कभी फिर से जायेंगे, प्रभु ने चाहा तो, बस वचन दर वचन। अब।

इसलिये... आओ मसीह की उस— उस शिक्षा की आरम्भ की बातों को छोड़ कर, हम सिद्धता की ओर आगे बढ़ते जाएं;...

66 यह उन्हें ठोकर खिलाता है, क्या यह नहीं खिलाता? आओ हम क्या करें?

... आओ हम सिद्धता की ओर आगे बढ़ते जाएं; ना ही फिर से नीव को न डालें...

67 इसे देखो। आइए इस शब्द "सिद्धता," को ले। क्या आप जानते हैं कि परमेश्वर की उपस्थिति में खड़े होने का केवल एक ही तरीका है? वो है, सिद्धता। परमेश्वर अपवित्र चीजो को बर्दाश्त नहीं कर सकता।

68 और आप जो नियम को मानने वाले है: आप अपने आप को कैसे सिद्ध कर सकते है, जब कि आपके पास अपने आप को सिद्ध करने के लिए एक भी चीज नहीं हैं? आप पाप में जन्मे थे। आपका गर्भधारण ही पाप में था। आपकी यहाँ अस्तिव में होने की वही इच्छा पाप थी। "पाप में जन्मे, अधर्म में आकार लिया, झूठ बोलते हुए संसार में आये।" अब आप कहां खड़े होने जा रहे है?

69 जहाँ आप, पापी जन, जिसने—जिसने कहा कि, "मैं धूम्रपान छोड़ दूंगा। मैं स्वर्ग जाऊंगा"? आप कहाँ हो, गुनगुने, पुराने ढंग का मनुष्य, कहलाने वाले मसीही, जो यहाँ वहां एक लंबे चेहरे के साथ घूमता है और कहता है, वह, "तो ठीक है, मैं कलीसिया से ताल्लुक रखता हूं"? तुम

पापी। यह सही बात है। जब तक आप परमेश्वर की आत्मा से जन्म नहीं लेते, आप नष्ट हैं। यह सच है।

70 आप स्वर्ग कैसे जा रहे हैं? आप कहते है, "मैंने अपने जीवन में कभी भी झूठ नहीं बोला।" "ओह, प्रिय। यह—यह आरंभ से ही बस सिर्फ एक दूत था।" यह एक झूठ है। मैं परवाह नहीं करता कि आप कितने अच्छे है; आप एक पापी हो। और आपके पास एक भी चीज नहीं है; कोई याजक नहीं है, कोई बिशप नहीं है, कोई कार्डिनल नहीं है, कोई पोप नहीं है, और न ही कोई और आपको बचा सकता है, क्योंकि वह उसी नाव में है जिसमें आप हैं। हम कुछ ही मिनटों में इसमें जायेंगे। बस उसी आकार में। वह था... रोम का पोप पाप में जन्मा था, अधर्मता के आकार में लिया, झूठ बोलते हुए संसार में आया हैं, एक पुरुष और एक महिला की यौन इच्छा से जन्मा है। आप उसमें से धार्मिकता को कहाँ से पाएंगे?

71 "तो ठीक है, उसके पिता और माता उसी तरह से जन्मे थे, और वे उसी तरह से जन्मे थे, और उसकी दादी और दादा और सारे पीछे वैसे ही जन्मे।" यह आरंभ से ही पाप है!

72 तो कौन कह सकता है कि *यह* पवित्र है और *वह* पवित्र है? केवल एक ही चीज पवित्र है, वह है यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर का पुत्र, जिसे सिद्ध बनाया गया है। और हमसे सिद्ध होने की मांग है। अब, हम यह कैसे बनने जा रहे हैं? इसे अपने आप से कोशिश करे। मैं गुणों के आधार पर स्वर्ग में जाने की कोशिश करने से घृणा करता हूँ, "मैं पांच मिनट पहले जन्मा था, और ठीक अब दुनिया से बाहर जा रहा हूं।" मैं नष्ट हो जाऊंगा। यदि मैंने अपने जीवन में कभी कोई बुरा विचार नहीं किया, यदि मैंने अपने जीवन में कभी भी एक बुरा शब्द नहीं बोला, यदि मैंने कभी भी कुछ भी बुरा नहीं देखा, मैंने कभी भी कुछ बुरा नहीं सोचा, या कुछ भी नहीं, मैं तब भी नरक की गंदी दीवारों तरह ही दूषित और काला हूं। मैं एक पापी हूँ।

73 मैं जीवन में से होते हुए आ सकता हूँ और एक कमरे में बंद होकर रह सकता हूँ, और कुछ रोमन कैथोलिक साधवी बहनों या किसी के जैसे, और दुनिया को कभी भी न देखूं, वहीं पर बना रहूं और जीवन भर प्रार्थना करूं, अच्छा करूं, करोड़पति घर में जन्म लूं और गरीबों को सब कुछ दे दूं जो मेरे पास है, और मैं फिर भी एक पापी हूँ और नरक में जाऊँगा। जी हां, श्रीमान।

74 मैं हो सकता है लूथरन कलीसिया से जुड़ु, बैपटिस्ट, पेंटीकोस्टल, प्रेस्बिटेरियन में जुड़ जाऊं, जब मैं कलीसिया के पालना घर पर रखा जाऊं, और उस कलीसिया में सौ वर्ष तक विश्वासयोग्य रहता हूँ, और मेरा जीवन ले लिया गया, और कोई भी मनुष्य मुझ पर उसकी उंगली उठाकर और यह न कह सका "उसके पास यहाँ तक कभी भी इतना बुरा विचार नहीं था," मैं ठीक नर्क में जाऊँगा ये उतना ही पक्का है जितना मैं खड़ा हुआ हूँ।

75 मैं एक पापी हूँ। यह सही है। मेरे पास कुछ नहीं है। वहां बिल्कुल भी कोई मार्ग नहीं है, मुझे भुगतान के लिए कोई—कोई भी कीमत मिल सके। परमेश्वर मृत्यु की मांग करता है। और यदि मैं अपना खुद का जीवन दे दूं, यदि मैं अपने जीवन को दे दूं, तो मैं कैसे पश्चाताप कर सकता हूं? करण, आपको... पहले कर्ज को चुकाना होगा। और केवल परमेश्वर ही एक था जो अपना जीवन दे सकता था और उसे फिर से ऊपर ला सकता था। सो वह पाप बन सकता है, और अपना जीवन को दे सकता है और उसे ऊपर ला सकता है, और इसे "न्याय," कहते है और कर्ज चुकाया गया है। वहां आप हैं।

76 अब आइए मत्ती की ओर जाए, 8वें अध्याय की ओर, मैं सोचता हूँ कि यह 7वां या 8वां अध्याय है। हम देखेंगे कि यीशु यहाँ पर क्या कहता हैं। तो ठीक है। यह मत्ती, 5 वां अध्याय है। और यह... यीशु, प्रचार, पहाड़ी उपदेश में प्रचार करते हुए, 47वा पद।

> *और यदि* तुम *अपने भाइयों को ही नमस्कार करते हो तो* तुम *औरों से कौन सा बड़ा काम करते हो? क्या अन्यजाति भी नहीं... ?* (देखो।)
>
> लेकिन *इसलिए चाहिए तुम सिद्ध बनो,...* (क्या?)
>
> *इसलिये चाहिये कि तुम सिद्ध बनो, जैसा तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है।*

यह यीशु की आज्ञा थी, "तुम ऐसे बनो।"

77 वे कहते हैं, "कोई भी सिद्ध नहीं हो सकता, बाईबल ने कहा, 'कोई भी सिद्ध नहीं है।' आपका विरोधाभास है।" क्या ऐसा है? तो ठीक है।

78 आप अपने आप से सिद्ध नहीं हो सकते। यदि आपने जो किया है उस पर आप भरोसा करते हैं, तो आप नष्ट हो गए हैं। "सो तुम सिद्ध बनो, यहां तक कि जैसे कि परमेश्वर सिद्ध है।" अब:

इसलिये चाहिये कि तुम सिद्ध बनो, जैसा तुम्हारा... स्वर्गीय पिता सिद्ध है।

79 "इसलिए... " अब 5वा अध्याय, इब्रानियों का 6ठा अध्याय।

इसलिये आओ मसीह की शिक्षा की आरम्भ की बातों को छोड़ कर, हम सिद्धता की ओर आगे बढ़ते जाएं;...

80 अब, आप, ब्रंहम टेबरनेकल। ओह, मैं जानता हूं, "हमारे पास चंगाईयां हैं।" यह बहुत ही अच्छी बात है। "हमारे पास दर्शन हैं।" ओह, यह—यह अच्छी बात है। और आपके पास आत्मिक स्वप्न हैं, और कभी–कभी वे आत्मिक स्वप्न नहीं होते हैं। और—और कभी कभी आप... "हम, हम गरीबों की मदद करने की कोशिश करते हैं। हम वो करते हैं जो हम कर सकते हैं।" ओह, यह ठीक बात है, लेकिन यह वो नहीं है जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं। हम दूसरे चरण में प्रवेश कर रहे हैं।

... छोड़ते हुए... शिक्षा...

81 "ओह, जी हाँ, हमने मसीह की शिक्षा पायी है। हम विश्वास करते हैं कि वह परमेश्वर का पुत्र था, जो कुंवारी से जन्मा है। हम यह विश्वास करते हैं, इन सारी बातों के साथ।" यह बस अद्भुत है।

82 लेकिन, "इसे छोड़ते हुए, आओ हम सिद्धता की ओर बढे।" ओह, प्रभु! काश मेरे पास अब एक प्रधान दूत की आवाज होती, ताकि इसे एक ऐसे स्थान पर लाता जिससे कि आप इसे देख सकते। अब वह कहता है, "मसीह की सारी शिक्षा को छोड़ते हुए, " सारे वो—वो धर्मज्ञान, और सारे धर्मशास्त्र जिन्हें हम जानते हैं, मसीह के सारे दैविकता के विषय में, वह किस तरह से देहधारी हुआ, और ये सारी दूसरी बातें।

83 यहाँ पौलुस सब कुछ इसे समझाता है, बस कुछ ही मिनटों में। आइए इस पर जाने से पहले, बस थोड़ा सा इसे पढ़ लें।

... और मरे हुए कामों से मन फिराने की नेव, *फिर से न डालें...*

अब, हम इसे विश्वास करते हैं।

... और परमेश्वर पर *विश्वास करने।*

हम यह विश्वास करते हैं।

और *बपतिस्मा के शिक्षा की,...*

बस किस तरह से आपका अवश्य ही बपतिस्मा होना है, हम उस पर विश्वास करते हैं।

... और हाथ के रखे जाने पर,...

हम हाथों को रखे जाने में विश्वास करते हैं, क्या हम नहीं करते? देखिए, यह सब, निश्चय ही।

... और मरे हुओं के जी उठने पर,...

84 हम यह विश्वास करते हैं। अब देखो। आप यहाँ, "न्याय," प्रयोग किया जाता है, "अनंत।" यह सदा के लिए है। जब न्याय ने परमेश्वर के बारे में बात की, ये हमेशा के लिए है। फिर, न्याय पूरा हो जाने के बाद और कोई मेल–मिलाप नहीं हो सकता है। अब आप समझ सकते हैं कि परमेश्वर को क्यों उसके अपनो—उसके अपनो को लेना था, जैसा कि हम इसे कहते हैं, उसकी अपनी दवा। जब उसने पाप करने के लिए मनुष्य को दोषी ठहराया, मेल–मिलाप करने का एकमात्र जरिया था कि वो स्वयं मनुष्य के स्थान को ले। यही एकमात्र जरिया है जिससे वह मेल–मिलाप कर सकेगा, या हमसे मेल–मिलाप कर सकेगा, वो था कि हमारे स्थान को ले ले और एक पापी बने। परमेश्वर, यहोवा, एक पापी बन गया, और उसने अपने जीवन को दे दिया।

85 अब, आप अपना जीवन, एक पापी के नाई दे सकते है, किसी कारण के लिए मर सकते है। पौलुस ने कहा, "भले ही मैं अपने शरीर को बलिदान के नाई जलाने के लिए दे दूं, फिर भी मैं कुछ भी नहीं," क्योंकि यह काम नहीं करेगा। देखो, जब आप मरते हैं, तो आप चले जाते हैं। आप एक पापी के नाई मरते हो, आप नष्ट हो जाते है।

86 "लेकिन परमेश्वर देह में नीचे उतरा, और देह में पाप को दोषी ठहराया, पाप से भरी देह में बना।" क्योंकि, वह अनंत परमेश्वर था, और उसने अपने खुद की देह को जिलाया, इसलिए वह न्याय करने वाला है।

87 अब, ये सारी बातें है, "आओ हम सिद्धात की ओर बढे," पौलुस ने कहा। अब क्या?

... अनंत न्याय का।

... हम *यही करेंगे,... यदि परमेश्वर चाहे तो।* (तीसरा पद।)

88 अभी, "सिद्धता की ओर बढे।" यीशु ने कहा, "इसलिए चाहिए तुम सिद्ध बनो, जैसे तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है।"

और हम, हर एक जन, दोषी है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम क्या करते हैं, हम दोषी है। हम दोषी जन्मे थे। आपके माता और पिता दोषी जन्मे थे। आपके, आपके सभी पूर्वज पाप में जन्मे थे, अधर्म के साथ उत्पन्न हुये। तो आप भला इसे कभी कैसे करने जा रहे हैं? आप भला कैसे सिद्ध होंगे? यदि आपने कभी ऐसा कोई एक काम नहीं किया, कभी भी चोरी नहीं की, कभी भी झूठ नहीं बोला, कभी भी अपने जीवन में कुछ नहीं किया, तब भी आप दोषी ठहरते है। इससे पहले आप पहली सांस को लेते आप दोषी थे। आप दोषी ठहराये गए थे। यह सही है। और इससे पहले आप अपनी पहली सांस को लेते आपका परमेश्वर के सामने न्याय किया गया था। क्योंकि आपका न्याय हुआ था, आपके पिता और माता की शारीरिक इच्छा के द्वारा, जिन्होंने, उनके क्रिया के जरिये से, तुम्हें यहाँ धरती पर लाया। और परमेश्वर ने आरम्भ में इसे दोषी ठहराया। आप आरंभ से ही दोषी ठहराये गए है। तो जहाँ आप... और धरती का हर एक दूसरा मनुष्य आपके साथ दोषी ठहराया गया था। अब आपको सिद्धता कहाँ पर मिलेगी?

89 देखो। आइए हम अब कुछ समय के लिए इब्रानियों के 10वें अध्याय की ओर जाए। अब ध्यान से सुनना। मैं पहले 9वें अध्याय में से थोड़ा पढ़ना चाहता हूँ, 11वाँ पद।

> *परन्तु जब मसीह आने वाली अच्छी अच्छी वस्तुओं का महायाजक होकर आया, उस ने और भी बड़े और सिद्ध तम्बू से होकर,* उसका खुद का तम्बू, उसकी देह,...

90 देखो, पुराना तम्बू... क्या आपने ध्यान दिया? उस पुराने तम्बू में एक परदा था, जो उस सन्दूक को छिपा देता था जहाँ परमेश्वर रहता था। कितने लोग यह जानते है? निश्चय ही। तो ठीक है, वो पुराने मनुष्य का बनाया हुआ तम्बू, रंगे हुए बकरियों और इत्यादि के खाल के पर्दे, जो परमेश्वर की उपस्थिति को छिपाने के लिए एक तम्बू बनाया गया था। कितने लोग यह जानते हैं कि वर्ष में एक बार केवल एक ही मनुष्य वहाँ अंदर जा सकता है? निश्चित रूप से। वो हारून था, वर्ष में एक बार अंदर जाता था। और उसे अवश्य ही अभिषिक्त होना था। और—और, ओह, आवश्यकता! और

उसके हाथ में अवश्य ही आग होनी चाहिए; और यदि वो उसके बिना जाता है, तो उस परदे को पीछे हटाते ही वह मर जायेगा। वो मर जायेगा। उसे अवश्य ही वहां जाकर इन दीवटों को जलाना होता है, और दया के आसन पर छिड़काव करना होता है, जिसे कहा जाता था, मृत्यु का लहू, उसके स्थान को लिया गया है, जब तक कि मसीह इसे पूरा करने के लिए नहीं आया था।

91 अब, लेकिन, उसके बाद परमेश्वर दूसरे प्रकार का एक तम्बू बन गया। और वह तम्बू कौन था? यीशु। और परमेश्वर यीशु के अंदर था, और वह छिपा हुआ था, लेकिन वह उसके प्रकटन के द्वारा संसार को अपने साथ मिला रहा था। मसीह ने परमेश्वर को प्रकट किया। उसने कहा, "यह मैं नहीं हूं जो काम करता है। यह तो मेरा पिता है जो मुझमें वास करता है। मैं अपने आप में कुछ नहीं करता, केवल वही करता हूँ जो मैं पिता को करते हुए देखता हूँ। पिता मुझ में, मुझे इन दर्शनो को दिखाता है, और फिर मैं बस वही करता हूं जो पिता मुझे करने के लिए कहता है।" आपने इसे समझा? परमेश्वर एक मनुष्य देह के अंदर था, ना ही रंगी हुयी बकरियों की खाल के पीछे, लेकिन जीवित, चल–फिर रहा था। परमेश्वर के पास हाथ थे; परमेश्वर के पास पैर थे; परमेश्वर के पास जीभ थी; परमेश्वर के पास आंखें थीं; और ये मसीह था। वहाँ वह था।

92 अब, वो चला गया, और आत्मा उसमें आ गयी, कि उसकी मृत्यु में से होते हुए वह कलीसिया को सिद्ध कर सके और कलीसिया को अधीनता में ला सके। और फिर वही आत्मा जो मसीह में थी कलीसिया में है, उन्ही कामो को करते हुए जो मसीह ने किये थे। "थोड़ी देर रह गयी है और संसार मुझे फिर ना देखेगा; तो भी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं मैं तुम्हारे साथ रहूँगा, यहाँ तक तुम्हारे अंदर रहूँगा, संसार के अंत तक।"

93 अब इसे सुनना।

> *परन्तु जब मसीह आने वाली अच्छी अच्छी वस्तुओं का महायाजक* बनकर *आया, तो उस ने और भी बड़े और सिद्ध तम्बू से होकर, जो हाथ का बनाया हुआ नहीं, अर्थात इस सृष्टि का नहीं।*

वो हाथों से बना हुआ नहीं था। उसका जन्म कैसे हुआ था? कुंवारी से जन्म।

न ही बकरियों और बछड़ों के लहू के द्वारा, यह शरीर जो कभी बलिदान या पवित्र किया गया था, *लेकिन उसके अपने लहू के द्वारा...*

94 आप यह जानते हैं लहू पुरुष के वर्ग से आता है। और फिर किसी ने कहा, "ओह, यीशु एक यहूदी था।" वह एक यहूदी नहीं था। "ओह, हम यहूदी लहू से बचाए गए हैं।" नहीं, हम नहीं बचाए गए। यदि हम यहूदी लहून से बचाए गए थे, हम अब भी नष्ट हुए हैं।

यीशु यहूदी नहीं था, न ही वह अन्यजाति था। वो परमेश्वर था: परमेश्वर पिता, आत्मा, वो एक अनदेखा। "किसी भी मनुष्य ने कभी परमेश्वर को नहीं देखा, लेकिन पिता के एकलौते ने उसे जाहिर किया है।" उसने परमेश्वर को प्रकट किया, परमेश्वर क्या था।

95 अब उसकी कलीसिया को परमेश्वर को प्रकट करना है, यह दिखाने के लिए कि परमेश्वर क्या है। देखा?

हम क्या करते है? खुद को संगठित करते है, और, "मेरा *उनसे* कोई लेना–देना नहीं है। वे मेथोडिस्ट हैं। वे प्रेस्बिटेरियन हैं। मैं *उनसे* कोई लेना–देना नहीं रखना चाहता हूं। मैं बैपटिस्ट हूं। मैं पेंटीकोस्टल हूं।" हुह! आप नाश हुए हैं, उनके साथ एक तरह का उद्देश्य है। सही है।

96 कौन डींग मार सकता है? कौन कुछ कह सकता है? उस अपमानजनक को बात को देखे जो प्रेस्बिटेरियन के द्वारा लाया गया। उस अपमान की ओर देखे, बैपटिस्ट। उस अपमान की ओर देखे, कैथोलिक। उस अपमान की ओर देखे, पेंटीकोस्टल, नाज़रीन, पिलग्रिम होलीनेस। उनमें से बाकी की ओर देखे।

लेकिन, मैं आपको चुनौती देता हूं कि आप उस पर अपमान में, एक हाथ को भी उठायें। जी हां। एक उंगली को उठाये, जब सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिसमें मैं रहने से प्रसन्न हूं। इसकी सुनो।" वहाँ है वो। यही वो एक सिद्ध है।

97 अब, आइये हम यहाँ बस थोड़ा और आगे पढ़ते हैं।

और बकरों और... बछड़ों के लोहू के द्वारा नहीं, पर अपने ही लोहू के द्वारा एक ही बार पवित्र स्थान में प्रवेश किया, और अनन्त छुटकारा प्राप्त किया... (आपने इसे समझ लिया?)*... हमारे लिए अनन्त छुटकारा।*

98 ना ही आज छुड़ाया जायेगा, और फिर, अगले सप्ताह जब बेदारी शुरू होती है, तो फिर से छुड़ाया जाएगा, और फिर, ओह, हम पीछे हटे और फिर से छुड़ाए जाये। आपको एक बार, हमेशा के लिए छुड़ाया गया है। यह सही बात है। अब कोई और छुडाया जाना, छुडाया जाना, छुडाया जाना नहीं। "अनंत छुटकारा!" "वह जो मेरे वचनों को सुनता है और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है, और कभी भी न्याय में नहीं आएगा, लेकिन वो," भूत काल, "मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चुका है।" क्योंकि उसे कंपकपी हुई? क्योंकि उसने एक विशेष तरीके से बपतिस्मा लिया था? क्योंकि उसके हाथ में लहू था? "क्योंकि उसने परमेश्वर के एकलौते पुत्र पर विश्वास किया है।" इसी प्रकार से हमारे पास अनन्त छुटकारा होता हैं।

99 अब सुनना।

> *क्योंकि जब बकरों और बैलों का लोहू और कलोर की राख* छिड़के जाने वो—वो... *अपवित्र लोगों पर* छिड़के जाने से *शरीर की शुद्धता के लिये* पवित्र *करती है:*
>
> *तो मसीह का लोहू जिस ने अपने आप को सनातन आत्मा के द्वारा परमेश्वर के साम्हने निर्दोष चढ़ाया,* हमारे *विवेक को मरे हुए कामों से क्यों न शुद्ध करेगा, ताकि तुम जीवते परमेश्वर की सेवा करो?*

100 "मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चुका।" आप क्यों परवाह करेंगे कि संसार क्या सोचता है? आप क्यों परवाह करेंगे कि आपका पड़ोसी क्या सोचता है? हमारा विवेक मर चुका है, और हमें परमेश्वर के आत्मा के द्वारा नया जीवन प्रदान हुआ है और फिर से जन्मे हैं, ताकि सच्चे और जीवित परमेश्वर की सेवा करे। वहां आप हैं।

101 अब 10वें पद पर, 10वा अध्याय, मतलब पूरे उसी पन्ने पर।

> *... व्यवस्था जिस में आने वाली अच्छी वस्तुओं का प्रतिबिम्ब है, पर उन का असली स्वरूप नहीं, इसलिये उन एक ही प्रकार के बलिदानों के द्वारा, जो प्रति वर्ष अचूक चढ़ाए जाते हैं,* पास आने वालों को *कदापि* पी–ई–आर–एफ–ई–सी–टी–ई–डी सिद्ध *नहीं कर सकतीं।*

पी–ई–आर–एफ–ई–सी–टी, सिद्ध ये वहां है, "सिद्धता।"

... तो आओ मसीह की शिक्षा की आरम्भ की बातों को छोड़ कर सिद्धता की ओर आगे बढ़ते जाएं;...

"इसलिए चाहिए कि तुम सिद्ध बनो, जैसे तुम्हारा... स्वर्गीय पिता सिद्ध है।"

102 "व्यवस्था जिस में आने वाली अच्छी वस्तुओं का प्रतिबिम्ब है," सारे नियम और बपतिस्मे और... सारी चीज़ें जो उनके पास थीं, "आराधना करने वालो को कभी भी सिद्ध नहीं बना सकते।" और, फिर भी, परमेश्वर की आवश्यकता "सिद्धता" है।

103 आप नाज़रीन कलीसिया में जुड़ते है, जो आपको कभी भी सिद्ध नहीं बनायेंगा। आप बैपटिस्ट कलीसिया, पेंटेकोस्टल में जुड़ते है, यह जो कुछ भी हो, यह आपको कभी भी सिद्ध नहीं बनाएगा। आपका एक भला, वफादार मनुष्य होना, आपको कभी भी सिद्ध नहीं बनायेगा। आपकी एक चीज की गुणवत्ता नहीं हो सकती। आपकी गुणवत्ता बारे में कुछ भी बात नहीं है। आप नष्ट हुए है। आप कहते है, "तो ठीक है, मैं व्ययवस्था को पालन करता हूँ। मैं सब्त को मानता हूँ। मैं *इसे* मानता हूं, परमेश्वर के सारे नियम को मानता हूं। मैं *ये* करता हूं।"

104 पौलुस ने कहा, "आओ अब उन सारी चीजों को एक तरफ रख दें।"

105 "यह सब ठीक है, लेकिन हम *इसे* करेंगे। हम लोगों को बपतिस्मा देंगे, और हम उनकी चंगाई और इत्यादि के लिए उन पर हाथो को रखेंगे।"

106 हम इसे वचन दर वचन ले सकते है, उन चीजों में से हर एक को। बपतिस्मा, हम इसे विश्वास करते हैं। "एक आशा है, एक प्रभु, एक विश्वास, एक बपतिस्मा।" हम यह विश्वास करते हैं कि एक ही बपतिस्मा है। हम मरे हुओ के पुनरुत्थान में विश्वास करते हैं। पूरी तरह से। हम विश्वास करते हैं कि यीशु मरा और फिर से जी उठा। हम यह विश्वास करते है। "हाथों को बीमार लोगो पर रखना," यही है जो इसने कहा। "ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं। यदि वे बिमारो पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।" हम यह विश्वास करते है।

लेकिन वह क्या है? पौलुस ने कहा, "यह सब मरे हुए कार्य है।" यह कुछ ऐसा है जो आप करते हैं।

107 "अब आओ हम सिद्धता की ओर बढे।" ओह, प्रभु! हम तंबू के अंदर आ रहे है, ना ही बुनियाद में; तम्बू, स्वयं तम्बू में। यही नींव है: व्यव्यस्था,

और धार्मिकता, और—और—और—और कलीसिया से जुड़ना, और बपतिस्मा लेना, और—और हाथों को रखना। वे सभी कलीसिया के आदेश हैं।

"लेकिन अब आओ हम सिद्धता की ओर बढे।" और केवल एक ही है जो सिद्ध है, वह है यीशु।

108 हम उसमें कैसे प्रवेश करते हैं? "मेथोडिस्ट के जरिये से?" नहीं। "पेंटीकोस्टल?" नहीं। "बैपटिस्ट?" नहीं। "किसी कलीसिया के जरिये से?" नहीं। "रोमन कैथोलिक?" नहीं।

109 हम इसमें कैसे प्रवेश करते हैं? रोमियों 8:1.

> *सो अब जो मसीह यीशु में हैं, उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं...* क्योंकि वे इस संसार के बातों अनुसार *नहीं चलते, ना ही शरीर के अनुसार, वरन आत्मा के अनुसार चलते हैं,* जो संसार कहता है उन पर ध्यान नहीं देते।

110 यहाँ तक यदि आप बीमार भी होते है, डॉक्टर कहता हैं, "तुम मर जाओगे," आप इस पर ध्यान नहीं देते, आप जरा भी चिंतित नहीं होते।

111 यदि वे आपको कहते हैं, "इससे पहले आप बचाए जाए आपको कैथोलिक बनना होगा, या प्रेस्बिटेरियन, या आपको *ऐसा* करना होगा," आप इस पर ध्यान नहीं देते।

"सो जो मसीह यीशु में हैं, उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं, जो शरीर के अनुसार नहीं चलते, वे बातें जो वे देखते हैं।" हर एक चीज जो आप अपनी आंखों से देखते हैं वह धरती पर की है।

112 लेकिन ये वो चीजे है जो आप अपनी आत्मा में होकर देखते है, वचन में से होते हुए! वचन परमेश्वर का देखने वाला आईना है जो प्रतिबिंब करता है कि वो क्या है और आप क्या हैं। हाल्लेलुय्या! ओह, प्रभु! यह आपको बताता है। यह संसार की एकमात्र ऐसी किताब है जो आपको बताती है कि आप कहां से आए हैं, आप कौन हैं और आप कहां पर जा रहे हैं। साहित्य का कोई भी पन्ना दिखाए, कहीं से भी, सारा विज्ञान या जो कुछ भी और है, हर एक अच्छी किताब जो लिखी गई है, मुझे दिखाये, इसमें से कोई भी आपको यह नहीं बता सकता है। *यह* परमेश्वर का देखने वाला आईना है, जो दिखाता है कि वो क्या है और आप क्या हैं। फिर, वहां बीच में लहू की

रेखा है, जो दिखाती है कि यदि आप चुनाव को करना चाहते हैं तो आप क्या हो सकते हैं। वहां आप हैं।

113 "एक आत्मा के द्वारा," अब, पहला कुरिन्थियों 12। हम उस देह के अंदर कैसे जाते हैं?

"हाथ मिलाने के द्वारा?" नहीं महाशय। "कलीसिया में जुड़ने के द्वारा?" नहीं महाशय। "पीछे की ओर होकर, आगे की ओर होकर बपतिस्मा लेने के द्वारा? पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में? यीशु मसीह के नाम में? शारोन का गुलाब, सोसन का फुल, भोर के तारे के नाम में? कुछ भी जो आप चाहते हैं?"

उसका इससे कुछ भी लेना–देना नहीं है। "परमेश्वर के प्रति एक अच्छे विवेक का बस एक उत्तर।" और फिर भी हम वाद–विवाद करते हैं, और रटते है, और बहस करते हैं, और अलगाव करते हैं, और मतभेद करते हैं। यह सही बात है। "लेकिन वे सारे मरे हुए कार्य हैं।" हम सिद्धता की ओर बढ़ रहे हैं।

114 यही वो चीजे है जो मैंने कीं है। एक सेवक ने आपको बपतिस्मा दिया। भले ही चाहे उसने आगे की ओर मुंह करके, पीठ की तरफ बप्तिस्मा दिया हो, या तीन बार, चार बार, या एक बार, या उसने इसे कैसे भी लिया हो, इसका इससे कुछ लेना–देना नहीं है। आपने किसी भी तरह उस कलीसिया की संगति में बपतिस्मा लिया है, उस कलीसिया को साबित करते हुए: आप मसीह की मृत्यु, गाड़े जाने और पुनरूत्थान पर विश्वास करते हैं। बीमारों को चंगा करने के लिए उस पर हाथों को रखना, यह बहुत अच्छी बात है, लेकिन, यह सब स्वाभाविक है, और यह शरीर फिर से उसी तरह मर जाएगा जैसे आप जी रहे हैं। यह फिर से मर जाएगा। "अब आओ उन सभी चीजों को एक तरफ रख दें, और सिद्धता की ओर आगे बढ़ें।"

115 हम कैसे सिद्धता को प्राप्त करें? यही है जो हम जानना चाहते हैं।

... मसीह *सिद्ध* कर चुका है...

"परमेश्वर ने हम सभी के अधर्म का भार उस पर लाद दिया। वह हमारे अपराधों के लिए घायल किया गया, हमारे अधर्म के कामों हेतु कुचला गया, हमारी शान्ति के लिए उस पर ताड़ना हुई, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो गए।" यही वो देह है जिसमें हम जाना चाहते हैं। यही वो देह है। क्यों? यदि आप उस देह में हैं, तो आप कभी भी न्याय को नहीं देखेंगे, आप कभी भी

मृत्यु का स्वाद नहीं चखेंगे। आप मृत्यु, न्याय, पाप और दूसरी सभी चीजों से आज़ाद हैं जब आप उस शरीर में होते हैं।

116 "आप इसमें किस तरह जाते हैं, प्रचारक? इस आराधनालय में जुड़ने के द्वारा? " आप अब भी नष्ट हुए हैं। किसी तरह नहीं जुड़ सकते; हमारे पास कोई किताब नहीं है। "हम इसके अंदर कैसे जाते हैं? किसी कलीसिया में जुड़ने के द्वारा? " नहीं महाशय। "आप इसके अंदर कैसे जाते हैं? " आप इसमें जन्म लेते हैं।

117 पहला कुरिन्थियों 12।

क्योंकि हम *सब ने एक ही आत्मा के द्वारा एक देह में बपतिस्मा लिया है,...*

118 पवित्र आत्मा के बपतिस्मा के द्वारा, हमने उस देह में बपतिस्मा लिया हैं, और पाप से आजाद हुए हैं। परमेश्वर अब आपको और नहीं देखता हैं; वह केवल मसीह को देखता है। और जब आप उस देह में होते हैं, तो परमेश्वर उस देह का न्याय नहीं कर सकता है। वो इसका पहले ही न्याय कर चूका है। उसने हमारे न्याय को ले लिया और हमें अंदर आमंत्रित किया। और विश्वास के द्वारा, अनुग्रह में से होते हुए, हम चलते हैं और अपनी क्षमा को स्वीकार करते हैं। और पवित्र आत्मा हमें उसके साथ इस संगति में लेकर आता है। "और हम उसके बाद संसार की चीजो के पीछे नहीं चलते, लेकिन आत्मा में चलते हैं।"

जिलाये गये, वचन हमारे पास आया। मेरे स्थान पर मर गया। मुझे जीवित किया गया। यहाँ मैं हूँ, जो कभी पाप और अपराधो में मरा हुआ था, जीवित किया गया। मेरी सारी इच्छाएं उसकी सेवा करने की हैं। मेरा सारा प्रेम उसी के लिए है। मेरा सारा आचरण उसके नाम में होना चाहेगा, कि मैं जहां भी जाऊं, जो कुछ भी करूं, मैं उसकी महिमा करता रहूं। यदि मैं शिकार करता हूं, यदि मैं मछली पकड़ता हूं, यदि मैं गेंद खेलता हूं, यदि—यदि मैं... मैं जो कुछ भी करता हूं, मुझे अवश्य ही चाहिए, "मुझ में मसीह, " हो एक ऐसे जीवन में, जो मनुष्यों को ऐसा बनाना चाहेगा; ना ही व्यर्थ बात करें, ना पीठ पीछे बात करें, ना ही आपकी कलीसिया के बारे में वाद–विवाद करें। आपने इसे समझा?

"एक आत्मा के द्वारा हमने उस देह में बपतिस्मा लिया हैं।" "और जब मैं लहू को देखूंगा, तब मैं तुम्हे छोड़कर निकल जाऊंगा।"

119 सुनना। आइए हम कृपया करके यहां थोड़ा और आगे पढ़ें।

... *वो* पास आने वालों को कदापि *सिद्ध* नहीं *कर* सकतीं।

"क्योंकि... " दूसरा पद, 10वां अध्याय।

क्योंकि नहीं तो उन का *चढ़ाना बन्द क्यों न हो जाता?*

120 यदि ये व्यक्ति को सिद्ध बना सकता... और परमेश्वर सिद्धता को चाहता है। यदि व्यवस्थाओं का पालन करना, यदि सारी आज्ञाओं को मानना, आपको सिद्ध बना देता, तब तो वहां—वहां कोई भी बात के होने की कोई आवश्यकता ही नहीं है; आप पहले से ही सिद्ध हो चुके हो। क्योंकि, जब आप सिद्ध होते हैं, तो आप अनंत होते हैं। क्योंकि, केवल परमेश्वर ही अनंत है, और एक मात्र परमेश्वर ही सिद्ध है। और एक ही जरिये से आप अनंत हो सकते हैं, वह है परमेश्वर का भाग बनना। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

... *जब एक ही बार शुद्ध हो जाते,... अब* पाप *का विवेक नहीं।*

क्या? "आराधना करने वाले एक बार शुद्ध हो जाते, ताकि कोई और *विवेक* न हो... " यदि आप इसका अनुवाद लिखते हैं, तो यह "ईच्छा" है।

... आराधना करने वाले *एक बार शुद्ध* हो जाते... तो पाप की *कोई और* ईच्छा नहीं होती है।

... यदि *आराधना करने वाले एक बार शुद्ध हो जाते*...

121 अब आप ऊपर जाकर और कहते है, "ओह, हाल्लेलुय्या, मैं कल रात बच गया। लेकिन, ठीक है, परमेश्वर धन्य हो, *उस* महिला ने मुझे पुन: पाप करने को लगाया। हाल्लेलुय्या, किसी दिन मैं फिर से बच जाऊंगा।" तुम अभागे अप्रशिक्षित अनपढ़ हो। यह इस तरह से नहीं है।

122 "आराधना करने वाले एक बार शुद्ध हो जाते है तो पाप की कोई और भावना नहीं होती है," बाईबल ने कहा। सुनना, जैसा कि हम आगे पढ़ते हैं, बस एक मिनट।

परन्तु उन बलिदानों के द्वारा... प्रति वर्ष पापों का स्मरण हुआ करता है।

123 अब हम इसे छोड़कर आगे जा रहे हैं, 8वें पद को लेंगे, समय को बचाने के लिए, और जहां मैं जाना चाहता हूं।

उसके ऊपर तब *वह कहता है, कि न तू ने बलिदान और* भेंट *और होम–बलियों और... पाप–बलियों को, चाहा, और न* तू *उन से प्रसन्न हुआ; यद्यपि ये बलिदान तो व्यवस्था के अनुसार चढ़ाए जाते हैं;*

124 9वा पद।

फिर यह भी कहता है, कि देख, मैं आ गया हूं, ताकि तेरी इच्छा पूरी करूं। निदान वह उठा देता है... उठा... *निदान वह पहिले को उठा देता है,* वो नियम, *ताकि दूसरे को नियुक्त करे।*

125 काश हमारे पास उस पर बने रहने का समय होता। जब तक आप एक प्रेस्बिटेरियन, या पेंटीकोस्टल, या बैपटिस्ट, या मेथोडिस्ट हैं, वह आपके साथ कभी भी कुछ लेना–देना नहीं रख सकता। उसे पहले वह सब कुछ दूर ले जाना है, देखो, जिससे वह दूसरे को नियुक्त कर सके। जब तक आप कहते है, "तो ठीक है, मैं एक मेथोडिस्ट हूं।" आह, मेथोडिस्ट, या बैपटिस्ट, या पेंटीकोस्टल के खिलाफ कुछ भी नहीं। लेकिन, भाई, यह—यह इसका उच्चारण नहीं है। आपको सिद्धता की ओर बढ़ना है, वह मसीह के अंदर है।

126 अब इसे देखें, बस एक मिनट।

उसी इच्छा से... हम यीशु मसीह की देह के एक ही बार बलिदान चढ़ाए जाने के द्वारा पवित्र किए गए हैं।

127 हुह? आइए बस थोड़ा सा आगे पढ़ें, और इसे थामे रहे। इसे आपके अंदर जाने दे जब हम पढ़ रहे है, "सभी के लिए एक ही बार।"

और हर एक याजक तो खड़े होकर प्रति दिन सेवा करता है, और प्राय: *एक ही प्रकार के* बलिदान *को जो पापों को कभी भी दूर नहीं कर सकते, बार बार चढ़ाता है:*

लेकिन यह मनुष्य,...

क्या आप तैयार हैं? क्या आपने अब आपने छाती को अभी खोला है, तो यह बाहर नहीं जायेगा, यह सीधे हृदय तक चला जाएगा? "लेकिन यह मनुष्य।" कौन सा मनुष्य? न ही रोम का पोप, न ही मेथोडिस्ट कलीसिया का बिशप, न ही कोई अन्य कलीसिया।

लेकिन यह मनुष्य, मसीह, *तो* पापों *के बदले एक ही बलिदान सर्वदा के लिये चढ़ा कर परमेश्वर के दाहिने जा बैठा;*

और उसी समय से इस की बाट जोह रहा है कि उसके बैरी उसके पांवों के नीचे की पीढ़ी बनें।

देखो। यहाँ वो आती है।

क्योंकि उस ने एक ही चढ़ावे *के द्वारा उसे* पी–ई–आर–एफ–ई–सी–टी–ई–डी *सिद्ध किया है, उसे सिद्ध कर दिया है...*

"क्या अगली बेदारी तक"? यह क्या कहता है?

... उन्हें जो पवित्र किए जाते हैं, सर्वदा के लिये सिद्ध कर दिया है।

क्या आपने इसे समझा? "आओ हम सिद्धता की ओर बढे।"

128 अब आप होलीनेस के लोग कहते हो, "ओह, हाँ, हम पवित्रता में विश्वास करते हैं। हाल्लेलुय्या! हम पवित्रीकरण में विश्वास करते हैं।" लेकिन आप अपना खुद की बातों को ही ले रहे हैं। आप बस *इसे* छोड़ देते है और *उसे* छोड़ देते है। आप जानते हैं कि आपको ऐसा नहीं करना चाहिए।

जब तक कि मसीह द्वार को नहीं खोलता और इसे आपके हृदय में नहीं जिलाता, और आप एक ऐसा स्थान बन जाते हो जहां पाप मर चुका है, और इच्छा, यह सब जा चुकी है। तब, वो आपकी स्वयं की धार्मिकता को निकाल लेता है, जिसे वो अपने आप को आप में स्थापित कर सके। "और यह मसीह है, परमेश्वर का पुत्र, जो आप में, महिमा की आशा है।"

... आओ हम सिद्धता की ओर आगे बढे;

129 हम भला सिद्ध कैसे हो सकते हैं? मसीह की मृत्यु में से होते हुए। ना ही कलीसिया में जुड़ने के द्वारा। ना ही हमारे भले कामों में से होते हुए, जो हम करते हैं। यह सब अच्छी बात है। ना ही इसलिए कि हमने *इस* तरह से या *उस* तरह से बपतिस्मा लिया था। ना ही इसलिए कि हम हाथों को रखने के द्वारा चंगे हो गए। ना ही इन अन्य चीजों में से किसी के कारण, "हम मृत्यु, दफन होना और पुनरुत्थान में विश्वास करते हैं।"

130 पौलुस ने कहा, "मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोली बोल सकता हूं," दोनों ही समझी जाने वाली बोली और न समझी जा सकने वाली बोली, दोनों का अनुवाद होना है, "मैं कुछ भी नहीं। भले ही मेरे पास ज्ञान का दान

हो और मैं परमेश्वर के हर एक ज्ञान को समझूं," बाईबल की व्याख्या कर सकता हूं... उसे एक साथ जोड़ते हुए, "मैं कुछ भी नहीं।" तब स्कूल जाने से ज्यादा कुछ भला नहीं होगा, बाईबल को सीखना क्या ये भला करता है? "हालाँकि मेरे पास विश्वास है कि मैं पहाड़ों को हटा सकता हूँ... " तब चंगाई के अभियान का तब बहुत अधिक मतलब नहीं रखता है, क्या ये रखता है? "मैं कुछ भी नहीं हूँ। भले ही मैं अपनी देह को बलिदान के नाई जलाने के लिए दे दूं।"

131 "ओह," वे कहते हैं, "वह मनुष्य धार्मिक है।"

132 "लेकिन वो कुछ भी नहीं," पौलुस ने कहा, "कभी भी कुछ नहीं बनना।"

133 "क्योंकि जहां अन्य जुबाने हों, वे वहां थम जाएंगी; जहाँ भविष्यवाणियाँ हैं, यह विफल हो जाएगी; जहाँ यह सब अन्य चीजे है, वहाँ असफल हो जाएगी। लेकिन जब वह जो सिद्ध है वो आता है, तो जो अधुरा है वह मिट जाएगा।" देखो, वो "सिद्ध।" सिद्धता क्या है? प्रेम। प्रेम क्या है? परमेश्वर। "आइए हम इन सारे छोटे–छोटे मरे हुए कामो और रीति–रिवाजो को एक तरफ रख दें, और सिद्धता की ओर आगे बढ़ें।" आपने इसे देखा? हम मसीह में से होते हुए सिद्ध होते हैं। हम इसके अंदर कैसे जाते हैं? पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा।

134 "तो ठीक है, क्या होता है? " आप मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुके हैं।

135 "तो ठीक है, क्या मुझे हिलना है, कूदना है, ऐसा करना है? " आपको—आपको कुछ भी नहीं करना है। आप इसे पहले ही कर चुके हैं, परमेश्वर ने आपको मृत्यु से जीवन में लेकर आया है, और आप जीवित हैं। उसके बाद आपके जीवन के फल इसे दिखाते हैं।

136 आप में से बहुत से मेथोडिस्ट और नाज़रीन जितना जोर से चिल्ला सकते है उतना जोर से चिल्लाते है, एक मनुष्य का जिगर बाहर आ जाये, यह सही है, वो हर एक चीज को करेंगे जिसे किया जा सकता है।

137 आप में से बहुत से पेंटीकोस्टल अन्य जुबान में बोलते है, जैसे कि एक गाय चमड़े पर मटर को उंडेलना, निश्चित रूप से, वे सीधे बाहर निकलकर और दूसरे पुरुष की पत्नी के साथ भाग जाते है, और सब प्रकार के काम करते है। ये ऐसा नहीं है, भाई।

138 पवित्र आत्मा के स्थान को लेने के लिए कोई अनुभूति या कुछ भी करने का प्रयास न करें। जब नया जन्म आता है, तो आप बदल जाते है। आपको इसे साबित करने के लिए कुछ भी करने की आवश्यकता नहीं है। आपका जीवन इसे साबित करता है, जब आप चलने लगते हैं। आप प्रेम, शांति, सहनशीलता, दयालुता, नम्रता, धीरज हैं। यही तो आप हैं, और सारा संसार आपके अंदर यीशु मसीह के प्रतिबिंब को देखता है।

139 अब, अन्यजुबान में बोलना, वहाँ पर चिल्लाना, यह तो बस गुण हैं जो इस तरह के जीवन के पीछे–पीछे जाता हैं।

और आप उन गुणों को लेकर इसकी नक़ल कर सकते हैं, और आपके पास वो जीवन कभी नहीं हो सकता हैं। हम इसे देखते हैं। कितने लोग यह जानते हैं कि यह सच है? निश्चय ही, आप जानते है। निश्चित रूप से आप जानते हैं। ओह! आप इसे अपने इर्द–गिर्द देखते हैं।

140 इसलिए, वहां ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे आप कह सके कि पवित्र आत्मा का प्रमाण है, जब तक कि यह आपका जीवन नहीं है जिसे आप जीते हैं। अब, यदि आप अन्यजुबानो के साथ बोलना चाहते हैं, तो यह पूरी तरह से ठीक है यदि आप इसका समर्थन करने के लिए जीवन को जीते हैं। यह सही बात है। और यदि आप चिल्लाना चाहते हैं, अच्छी बात है, यह अच्छा है। मैं भी चिल्लाता हूँ, जब बहुत खुश हो जाता हूँ कभी–कभी मैं मुश्किल से अपने जूते भी नहीं पहन पाता; मुझे उनमें से कूदना अच्छा लगता है। और यह बहुत अच्छी बात है। मैं इसे विश्वास करता हूँ।

141 मैंने दर्शनो को देखा है, और बीमार चंगे हुए हैं, मरे हुए जी उठे हैं। जब वे वहाँ पड़े हुए रहते है और डॉक्टर छोड़ कर चले जाते है और कहते है, "वे खत्म हो चुके हैं और जा चुके हैं," वहाँ कुछ घंटे पड़े रहते है; और पवित्र आत्मा ठीक तब नीचे उतर कर आता है और दर्शन देता है, और वहां जाओ और उस मनुष्य को उठा कर खड़ा करो। मैंने उन्हें देखा है जो बहरे, गूंगे और अंधे होते हैं, और अपंग हैं, चलने लगते हैं। ऐसा नहीं है... यह तो बस गुण हैं।

142 भाई, बहुत समय पहले, इससे पहले दुनिया की कभी इसकी नींव डाली गयी थी, परमेश्वर अपने अनन्त अनुग्रह में से होते हुए, उसने नीचे की ओर देखा, और पूर्वज्ञान के द्वारा उसने आपको और मुझे देखा। वह जानता था कि हम किस युग में रहेंगे। वह जानता था कि हम क्या होंगे। इसलिए, चुने

जाने के द्वारा, उसने हमें दुनिया की नींव डालने से पहले चुना, ताकि हम उसके साथ बिना दाग के रहें।

143 अब, यदि उसने हमें दुनिया की नीव डालने से पहिले उस में बिना दाग रहने के लिए चुना है, और हम सब धब्बेदार जन्मे हैं, और कोई कुछ नहीं कर सकता... कोई भी हमें शुद्ध नहीं कर सकता, हम भला बिना—हम भला बिना दाग के कैसे बनेगे? "उसने अपने एकलौते पुत्र को भेजा, कि जो कोई भी उस पर विश्वास करे, उसके जीवन का अन्त न हो, लेकिन उसके पास अनन्त जीवन हो; कभी भी नाश नहीं होगा, लेकिन उसके पास अनन्त जीवन होगा।" फिर जब हम विश्वास के द्वारा उस में आते हैं, अनुग्रह में से होते हुए हम बच जाते हैं, पवित्र आत्मा के द्वारा जो हमें बुला रहा है।

144 इससे पहले इस धरती पर शरीर हो, आपके शरीर यहां रखे हुए थे। यह कैल्शियम, पोटाश, नमी, लौकिक—लौकिक प्रकाश में से, और पेट्रोलियम, और इत्यादि से बना है, उन सोलह तत्वों से। और पवित्र आत्मा धरती के ऊपर मंडराने लगता है, "मंडराते हुए।" और जैसा कि इसने किया, सबसे पहले आप जानते हैं, छोटा सा ईस्टर फूल ऊपर आता है। तब उसने कुछ घास को बाहर लाया, और कुछ पक्षी आये, और कुछ समय के बाद एक मनुष्य आगे आता है।

145 अब, उसने कभी भी स्त्री को धरती की मिट्टी से नहीं बनाया। शुरू से ही, वो पहले से ही एक पुरुष है; नर और नारी एक हैं। सो उस ने आदम की बगल में से एक पसली ली, और एक स्त्री को उसके लिए एक सहायक बनाया। और फिर पाप आता है। फिर पाप अंदर आने के बाद...

146 परमेश्वर पराजित नहीं होगा, कोई फर्क नहीं पड़ता क्या बात भी जगह लेने दो। वो कभी भी पराजित नहीं होगा। तब, स्त्रियो ने पुरुषों को धरती पर लाना आरंभ किया। और परमेश्वर अनन्त अनुग्रह में से होते हुए, देखा कि कौन बचाया जायेगा, और उसने आपको बुलाया। "कोई मेरे पास नहीं आ सकता, जब तक मेरा पिता पहले उसे नहीं बुलाता है।" "ना ही वो जो चाहता है, या ना ही वो जो दौड़ता है, लेकिन जिस पर परमेश्वर दया को दिखाता है।"

147 आप कहते है, "तो ठीक है, मैंने परमेश्वर को ढूंढा। मैंने परमेश्वर को ढूंढा।" नहीं, आपने कभी भी नहीं ढूंढा। परमेश्वर ने आपको ढूंढा। आदि में ये इसी तरह से ही था।

148 यह आदम नहीं था जो कह रहा था, "हे पिता, पिता, मैंने पाप किया है। आप कहां हैं? "

149 ये तो पिता था जो कह रहे थे, "हे आदम, आदम, तू कहाँ है? " यही मनुष्य का स्वभाव है। यही मनुष्य की नस्ल है। यही है जिससे वो बना है।

150 "और कोई मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता जब तक कि पिता उसे खींच न लाये। और वह सब जिसे पिता ने मुझे दिया है... " हाल्लेलुय्या! "जो कोई भी आएगा, मैं उन्हें अनन्त जीवन दूंगा, और मैं उसे अंतिम दिन में जिला उठाऊंगा।" क्या ही धन्य, स्वर्ग के परमेश्वर की क्या ही धन्य प्रतिज्ञा है! आज रात हमें कहाँ जाना है, जहाँ, "उसने अपने आप की शपथ ली।" उससे कोई भी बड़ा नहीं है। आप अपने से बड़े किसी और की शपथ लेते हैं। वहाँ उससे कोई बड़ा नहीं है, इसलिए परमेश्वर ने अपने आप की शपथ ली। हम इसके अंदर जा रहे हैं, उसने यह कैसे किया और उसने इसे कब किया; और अपनी खुद की शपय खाई, कि वह हम को जिलाएगा, और अपना निज उत्तराधिकारी बनाएगा।

151 ओह, आज सुबह हम कितने सिद्ध और मजबूती से खड़े हो सकते हैं! आप किस तरह से देख सकते हैं, यदि मृत्यु सीधे आपके चेहरे की ओर घूर रही है, तो आप पौलुस की तरह कह सकते हैं, "मौत, तेरा डंक कहाँ है? कब्र, तेरी विजय कहाँ है? लेकिन परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।" वहां आप हैं। क्यों?

152 "ओह, तुमने *ऐसा–और–ऐसा* किया है।"

153 "मैं ये जानता हूं, लेकिन मैं उसके लहू से ढका हुआ हूं।" हाल्लेलुय्या!

154 "एक आत्मा के द्वारा, हम सभी ने एक देह में बपतिस्मा लिया।" आप मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, आप जो कोई भी हैं, हमने एक देह में बपतिस्मा लिया था। हमारे पास संगति है, और हम परमेश्वर के राज्य के नागरिक हैं, यह दावा करते हुए, कि, "हम इस संसार के नहीं हैं।"

155 मेरी छोटी लड़की एक दिन आई, कहा, "पापा, इस छोटी सी लड़की ने *ऐसा–और–ऐसा* किया। और उन्होंने *ऐसा–और–ऐसा* किया। हम घर

पर गए। उन्होंने *ऐसा–और–ऐसा* किया।" मैंने कहा... उसने कहा, "हम ऐसा क्यों नहीं करते? "

156 मैंने कहा, "प्रिय, हम उस दुनिया के नहीं हैं। वे अपने खुद के लिए एक दुनिया में जीते हैं।"

157 कहा, "क्या हम सब एक ही जमीन पर नहीं चलते? "

158 मैंने कहा, "दुनिया के, प्रिय। हम उन लोगों में से नहीं हैं।"

159 बाईबल ने कहा, "उनमें से बाहर आओ, अलग हो जाओ, परमेश्वर यों कहता है।" देखिए, आप उसमें से नहीं हैं। और जब वह नई प्रकृति आपके अंदर आती है, तो आपको बाहर निकालने की आवश्यकता नहीं है। आप लूत की पत्नी की तरह वापस नहीं जाना चाहते। आप बस अभी जन्मे हैं, इसमें से बाहर। और आप दूसरे अय्याम में हैं। और यह आपको बेकार सा दिखाई देता है।

और यह, वो महान, भव्य अमेरिका जिसमें हम रहते हैं, जो इसकी एक बडी अन्धव्यवस्था बन गयी है। हर एक चीज अभिलाषा और स्त्री है। और स्त्रीयां जिस तरह से वे कपड़े पहन रही हैं, पुरुष जिस तरह से वे व्यवहार कर रहे हैं, और—और जो चीजें वे कर रहे हैं, और फिर खुद को "मसीही" कहकर बुलाते है।

160 उदाहरण के लिए, यह एल्विस प्रेस्ली, वो जाकर और पेंटीकोस्टल कलीसिया का सदस्य बन गया। अवश्य ही, यह वही जहाँ... यहूदा को चाँदी के तीस सिक्के मिले। एल्विस को कैडिलैक की एक गाडी मिली, और एक—और अपने जन्मसिद्ध अधिकार को बेचने के लिए कुछ लाखो डॉलर मिले। आर्थर गॉडफ्रे। उस की ओर देखो।

161 यहाँ लुइसविले में जिमी ओसबोर्न को देखें, जो वहाँ उस पुराने बूगी–वूगी के नाच, रॉक–एंड–रोल, पुराने टोमीरोट और गंदगी के साथ है। और रविवार की सुबह, बाईबल को लेते है और मंच पर खड़े हो जाते है और प्रचार करते है। क्या ही शर्मनाक बात है!

कोई आश्चर्य नहीं कि बाईबल ने कहा, "हर टेबल उल्टी से भरी है।" क्योंकि, हम एक भयानक दिन में जी रहे हैं!

162 और लोग कहते हैं, "ओह, वे बहुत ही धर्मी हैं।" ओह! क्या आप नहीं जानते कि शैतान धर्मी है? क्या आप नहीं जानते कि कैन उतना ही धर्मी

था जितना हाबिल था? लेकिन, उसके पास प्रकाशन नहीं था। ऐसा ही है। उसके पास प्रकाशन नहीं था।

जी हाँ, हम सब कलीसिया जाते हैं, लेकिन वहां कुछ ही है जिनके पास जीवन है, यही वो एक है उनके हृदय में यीशु मसीह का प्रकाशन है। ना ही हिलने–डुलने के द्वारा, कूदने के द्वारा, ना ही कलीसिया में जुड़ने के द्वारा। लेकिन, प्रकाशन, परमेश्वर ने उसे प्रकट किया है।

163 देखो क्या कहा, "लोग मुझ मनुष्य के पुत्र को क्यों कहते है कि मैं कौन हूँ? "

164 "कुछ ने कहा तू 'एक भविष्यव्यक्ता' है। और कुछ कहते हैं कि तू 'एलिय्याह' है। और कुछ... "

कहा, "लेकिन तुम क्या कहते हो? "

165 पतरस ने कहा, "तू जीवित परमेश्वर का पुत्र मसीह है।" यह उसके होठों से नहीं था।

166 उसने कहा, "धन्य है तू, योना के पुत्र शमौन, क्योंकि मांस और लहू ने इसे कभी भी प्रकट नहीं किया। तूने इसे कभी भी किसी—किसी बाईबल की कुछ नैतिकता से नहीं सिखा, या ना किसी धर्म शिक्षा के सेमिनरी से। धन्य हो तुम, क्योंकि मांस और लहू ने तुम पर इसे प्रगट नहीं किया। लेकिन मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, इसे प्रगट किया है। और इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया को बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक इसके विरोध में प्रबल नहीं हो सकते है।"

167 यदि आप आज सुबह एक मसीही हैं, क्योंकि आप कलीसिया से संबंधित हैं, आप नाश हुए हैं। यदि आप एक मसीही हैं क्योंकि आपने मृत्यु से जीवन में प्रवेश किया हैं, तो आप न्याय से आजाद हैं; मसीह के अंदर, आप हर समय सिद्धता में बनते जा रहे हैं। परमेश्वर एक चीज को भी नहीं देख सकता। आप कहता है, "अच्छा, क्या मैं कभी भी गलती करूंगा? " निश्चय ही, लेकिन आप इसे जानबूझकर नहीं करते हैं।

168 अब हम इसके अंदर जा रहे हैं, बस कुछ ही मिनटों में, "क्योंकि जो सत्य का ज्ञान को पाने के बाद जानबूझ कर पाप करता है, उसके पाप के लिए और कोई बलिदान नहीं रहता।" हम आज रात उसमें जायेंगे, क्योंकि अब ये थोड़ी देर हो चुकी है।

169 आइए हम इसके कुछ और पदों को पढ़ें, ताकि हम थोड़ा और आगे जाने के विषय में बेहतर महसूस कर सकें। तो अच्छी बात है। तो ठीक है, हम आज रात ठीक उस 4थे पद से शुरू करेंगे। इसे सुनना।

> *क्योंकि ये उनके लिए असंभव है क्योंकि जिन्हों ने एक बार ज्योति पाई है, और* हुए है... *और हो गए है... और जो* सामर्थ *का, स्वर्गीय* वरदान *का स्वाद चख चुके हैं, और पवित्र आत्मा के भागी हो गए हैं।*
>
> *और... परमेश्वर के उत्तम वचन का और आने वाले युग की* सामर्थों *का स्वाद चख चुके हैं,*
>
> *यदि वे भटक जाएं, तो उन्हें* अपने आप को... *मन फिराव के लिये फिर नया बनाना अन्होना है;...*

देखा? और हम इसे इब्रानियों 10 में लेंगे, और आगे और पीछे से, यह दिखाने के लिए कि यह क्या है।

170 दोस्तों, "आओ हम सिद्धता की ओर आगे बढे।" हमारे पास... हम नहीं... हम आज बिना किसी बहाने के हैं। हमारे पास बिल्कुल भी बहाना नहीं है। इन अंतिम दिनों में स्वर्ग का परमेश्वर प्रकट हुआ हैं और उन्ही कामो को कर रहा है जो उसने तब किये थे, जब वह पहले यहां पर था, जब वह धरती पर था। वो साबित कर चुका है, जैसा कि हम इस बाईबल में से होते हुए आ रहे हैं। और आप—आप, कक्षा, यह जानते हैं, कि हमने चमत्कार दर चमत्कार, और चिन्ह दर चिन्ह, और आश्चर्यकर्म दर आश्चर्यकर्म की बातों को लिया है, कि उस ने जंगल में बच्चों के साथ किया, जो काम और चिन्ह जो उसने किए; वे काम जो उसने किये जब वो धरती पर था, देह में प्रगट हुआ; और बिल्कुल वही काम ठीक आज यहां हमारे बीच में जगह ले रहे हैं। इसे प्रमाणित करने के लिए यहाँ पर वचन है। यहाँ वो बात है ये कहने के लिए कि ये सही है, इसे सही बनाने के लिए। उसी काम को करने के लिए यहाँ परमेश्वर का आत्मा है, इसलिए हम बिना किसी बहाने के हैं।

आइए प्रार्थना करें।

171 स्वर्गीय पिता, देखते हुए कि हम क्या ही गवाहों के बड़े बादल से घिरे हुए हैं, आओ हम हर एक बात, हर एक चीज, हर एक गलती, हर एक बुरी बात, हर एक बोली गयी बुरी बात को एक तरफ रख दें। हर एक विचार,

"और हम उस दौड़ में धीरज के साथ दौड़े जो हमारे सामने रखी हुई है, हमारे विश्वास के रचयिता और सिद्ध करनेवाले प्रभु यीशु मसीह की ओर देखते हुए।" उसका सबसे अतुलनीय और पवित्र नाम धन्य हो! वह किस तरह से धरती पर गिरे हुए मनुष्य को छुड़ाने के लिए आया, और जिससे कि उन्हें प्रभु परमेश्वर की संगति में वापस लेकर जाए। और इसके लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं। और अब उसके अनुग्रह से... हमने उसे कभी नहीं चुना, लेकिन उसने हमें चुना। उसने कहा, "तुमने मुझे नहीं चुना है, लेकिन मैंने तुम्हें चुना है।" कब? "दुनिया की नींव डालने से पहले।"

172 और, प्रिय परमेश्वर, यदि वहां आज सुबह यहाँ कुछ बैठा हुआ है, हो सकता है जिसने इसे वर्षों और वर्षों से दूर रखा हो, लेकिन लगातार वहां हृदय पर धीमी सी दस्तक हो रही है। हो सकता है वे कलीसिया से जुड़े हो, सोचते हुए, "ठीक है, सब सही हो जाएगा।" पिता, निश्चित रूप से, वचनों ने इसे आज सुबह वर्णन किया है: कि आप एक कलीसिया के पीछे छिपकर और धर्मी बने नहीं रह सकते हो; ना ही आप अच्छे बन सकते हो, न ही झूठ, और न चोरी, और न कुछ बुरा, और धर्मी बनकर रह सकते है।

173 हमारे पास केवल एक ही धार्मिकता है, ना ही हमारी खुद की, लेकिन उसकी धार्मिकता। उसने हमारे उद्धार को सिद्ध किया है। इसलिए, उसमें होने के वजह से, परमेश्वर हमारी गलतियों को नहीं देखता हैं। जब हम कुछ भी गलत करते हैं, तो हमारे अंदर एक आत्मा होती है, जो चिल्ला उठती है, "हे पिता, मुझे क्षमा करें!" तब परमेश्वर इसे नहीं देखता है। और यह है, हम उसके साथ संगति और अनुग्रह में लाए गए हैं। इसे प्रदान करें, प्रभु, जब कि हम इस सभा को मसीह के नाम में बंद करते हैं। आमीन।

174 बस कुछ समय के लिए, मैं आपसे पूछना चाहता हूं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या करते हैं, आप नष्ट हुए हैं। इस बात को सुनना। कुछ समय पहले... हो सकता है मैंने पहले इसे बताया हो। यहाँ पर मेरे साथ एक छोटा सा अनुभव हुआ।

175 मैं वहां ऊपर टोलेडो, ओहियो में—में था। मैं एक बेदारी में था और—और वहाँ पर एक सभा हो रही थी और बहुत सारे लोग थे। वे उस होटल को जानते थे जिनमें मैं था; सो वे मुझे उस देश में ले गए। मैं वहाँ बाहर ठहरा हुआ था, जो एक छोटा सा होटल था।

176 हम एक छोटे से डनकार्ड भोजनालय में खाना खा रहे थे। यह एक अद्भुत जगह थी, वहां की छोटी महिलाएं, बस मसीही के जैसे और संत दिख रही थी जितनी वे हो सकती हैं, साफ़ और वास्तव में अच्छी थी। रविवार आया, मुझे भूख लगी है। मैं थोड़ा उपवास कर रहा था। और मैं सड़क के उस पार दूसरी ओर जाना चाहता था, कुछ प्रबंध करने के लिए। वहाँ एक कोने के पास एक छोटी सी सड़क थी, और वहाँ खाने के लिए बस एक साधारण सी, आम, अमेरिकी लोगो की जगह थी। छोटी सी, एक छोटी सी जगह थी, एक कॉफीघर, जो सारी रात खुला रहता है। उस रविवार की दोपहर को लगभग दो बजे जब मैं वहाँ पर गया, इससे पहले कि उस दोपहर प्रचार करने के लिए वहां नीचे जाऊं, मैं बहुत ही उत्साहित था, मैं नहीं जानता था कि क्या करना है।

177 मैं चलकर अंदर गया, और पहली चीज़ जो मैंने ध्यान दी, वह थी लगभग सोलह, अठारह वर्ष के उम्र की एक युवती, किसी पिता की लाडली, किसी माता की लाडली, एक लड़के के साथ वहां पीछे खड़ी हुई थी, उसके कमर पर हाथ रखे हुए। किशोर–उम्र का झुण्ड जो काउंटर पर—पर बैठा हुआ था।

178 मैंने एक जुआ के मशीन की आवाज़ को सुना। *यहाँ* इस ओर देखा, और वहाँ एक पुलिसवाला खड़ा था, जो एक महिला के चारों ओर हाथ रखे हुए था, यहाँ ऊपर चारों ओर, उसकी कमर पर, और एक जुआ मशीन पर खेल रहा था। अब, आप जानते हैं कि ओहियो में जुआ और जुआ की मशीन अवैध है, आप यहां जो बके शहर के लोग हैं। और आप जानते हैं कि यह अवैध है। और यहाँ कानून का व्यक्ति था, जुआ की मशीन पर खेल रहा था; और मेरी उम्र का एक व्यक्ति, शायद विवाहित, बच्चों का समूह, हो सकता है दादा हो। एक पुलिसकर्मी, जो सड़क पर गश्त के काम में था, एक जुआ की मशीन पर खेल रहा है। वहाँ वह युवा था... किशोर–उम्र ने क्या किया? इसने क्या किया?

179 मैं वहां खड़ा रहा। किसी ने मुझे अंदर आते हुए नहीं देखा, वे बहुत व्यस्त थे, उनमें से आधे नशे में थे। तो, मैंने देखा। मैंने किसी को कहते सुना, "अच्छा, क्या आपको लगता है कि बारिश रूबर्ब की खेती को नुकसान पहुंचाएगी?" और यहाँ पर देखा, और यहाँ एक महिला को वहाँ बैठी थी, बूढ़ी महिला, वास्तव... वह पैंसठ, सत्तर, इसके आसपास थी। और

बेचारी... मैं किसी को भी अपना सबसे अच्छा दिखने के लिए दोष नहीं देता। लेकिन जब वह... उसने अपने आप को तैयार किया था, अपने बालों को नीला किया था, जो बहुत ही नीले दिख रहे थे। और ऊपर से पूरी तरह कटे हुए, और इसे बहुत ही नीला किया था। और उसने बहुत ही मोटा प्रसाधन लगाया था, या जिसे आप उसके चेहरे पर लगाये जाने वाले सामान कहते हैं, और एक बडा धब्बा। और उसने छोटे छोटे कपडे पहने थे, और बेचारी पुरानी चीज जो इतनी झुर्रीदार थी कि इतना तक अतिरिक्त माँस, माँस उसके पैरों पर *इस* तरह लटक रहा था। और उसने शराब पी थी। वह वहाँ एक बूढ़े पुरुष के साथ बैठी हुई थी, और यह गर्मियों का समय था, उस पुराने, भूरे रंग के सेना के एक कोट को ऊपर से पहने हुए, या जैतून सा हल्का भूरा। यह *इस* तरह से नीचे लटक रहा था, और उसके गले में एक बड़ा स्कार्फ़ लपेटा हुआ था। उनमें से दो शराब पीये हुए थे, और वे इस ख़राब बूढ़ी महिला के साथ थे।

180 मैं वहां खड़ा था और इधर–उधर देखा। मैंने कहा, "परमेश्वर, आप भला इसे कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं? क्या—क्या... आप इसे कैसे इस तरह कैसे देखते हैं? जबकि, यह मुझे, एक पापी को अनुग्रह के द्वारा बचाता हुआ बनाता है, तो सोचें कि, आप भला इसे किस तरह से देख सकते—सकते हैं? इसलिए, ऐसा दिखाई देता है कि आपने चीजो को उजागर किया है। क्या मेरी छोटी रिबका और सारा उस तरह के प्रभाव के नीचे आ जायेगी? क्या मेरी दो छोटी बच्चियों को एक—एक लोकप्रिय, जाने–माने, जैसे आज की दुनिया है उसका सामना करना होगा, जहां लोग इस प्रकार का व्यवहार करते हैं? परमेश्वर, मैं भला कैसे कर सकता हूँ... मैं क्या कर सकता हूं? "

अवश्य ही, यह उसका अनुग्रह है। यदि उन्हें अनन्त जीवन के लिए ठहराया गया है, तो वे उसके पास आएंगे। यदि वे नहीं ठहराये गए थे, तो वे नहीं करेंगे। मैं नहीं जनता। यह परमेश्वर पर निर्भर करता है। मैं अपने भाग को करूंगा।

181 मैंने सोचा, "आप इसे कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं, परमेश्वर? ऐसा दिखाई देता है कि आप इतने पवित्र हो कि आप बस उस चीज को धरती पर से मिटा देंगे।" मैंने कहा, "वहां पर बैठी हुई उस ख़राब दादी की ओर देखे। वहां पीछे उस नौजवान लड़की की ओर देखे। और यहाँ पर खड़ी

हुई एक महिला है, जो शायद पच्चीस वर्ष की होगी। और वह पुलिस उसकी कमर पर अपने हाथो को रखे हुए, एक जुआ की मशीन पर खेल रहा है। और *वहां* कानून का व्यक्ति है; राष्ट्र ख़त्म हो गया है। *वहाँ* मातृभाव ख़त्म हो गया है। *यहाँ* बुजुर्ग लोग ख़त्म हो चुके है। और *वहाँ* एक जवान लड़की पीछे बैठी हुई है, और वह खत्म हो चुकी है। लड़कों की ओर देखो, जब कि उन्हें कलीसिया में या कहीं तो होना चाहिए।"

182 मैंने कहा, "हे परमेश्वर, मैं क्या कर सकता हूँ? और यहाँ मैं इस शहर में हूँ, मेरा हृदय पूरी तरह से रो रहा है, और वे इसे अनदेखा करते हैं और ऐसे चलते हैं जैसे वे... " मैंने सोचा, "अच्छा, परमेश्वर? "

183 अच्छा, फिर एक विचार आया, "यदि मैंने उन्हें नहीं बुलाया है, तो वे भला कैसे आ सकते हैं? जिसे पिता ने मुझे दिया है वह सब आयेंगे। 'तुम्हारे पास आंखें हैं लेकिन तुम देख नहीं सकते, कान है पर तुम सुन नहीं सकते।' "

184 मैंने सोचा, "तो ठीक है, यदि राष्ट्रपति शहर में आता है, बेदारी के बजाये, तो हर एक जन बाहर आ जाता। ओह, निश्चय ही, यह सांसारिक है।"

185 तब मैं सोचने लगा, "ठीक है, परमेश्वर, किस तरह से, अब क्यों नहीं आप जाते, आकर, यीशु को भेजते है और इसे खत्म क्यों नहीं करते? क्या अब—अब जाकर और इसे खत्म नहीं करेंगे, और इसे जाने दे? "

186 तब मैंने अपने सामने कुछ हिलता हुआ देखना आरंभ किया। ऐसा दिखा जैसे कोई छोटा–सा चक्रवात *इस* तरह से गोल–गोल घूम रहा हो। मैं इसे देखता रहा। मैंने एक दुनिया को गोल–गोल घूमते हुए देखा। मैंने इसे देखा, और जहां यह किसी चीज को छिड़क रहा था। मैंने देखा, और यह दुनिया भर में, लाल, गहरे लाल रंग के लहू का एक छिडकाव था; बस जैसे एक चक्रवात गोल–गोल घूम रहा हो, एक धूमकेतु की तरह, और यह *इस* तरह से एक चक्रवात घूम रहा था। और मैंने इस चक्रवात की ओर देखा। और इसके ठीक ऊपर, मैंने दर्शन में यीशु को देखा। वह नीचे की ओर देख रहा था। और मैं ने अपने आप को यहां धरती पर खड़ा देखा, ऐसे काम करते हुए जो मुझे नहीं करने चाहिए। और हर बार जब मैंने पाप किया, तो परमेश्वर मुझे मार डालता, "क्योंकि जिस दिन तुम इसे खाओगे, उसी दिन तुम मर जाओगे।" और परमेश्वर की पवित्रता और न्याय ये मांग करता

है, और आपको मरना ही होगा। और उसके बाद मैंने वहां देखा। मैं आंखें मलता रहा। मैंने कहा, "मैं नहीं... मैं कभी भी सोने के लिए नहीं गया। मैं... यह एक दर्शन है। मुझे यकीन है कि यह एक दर्शन है।"

187 मैं देखता रहा, जब मैं दरवाजे के पीछे खड़ा हुआ था। और मैंने अपने पापों को ऊपर आते देखा। और हर बार जब वे सिंहासन पर पहुंचना आरंभ करते, उसका लहू कार के लिए टक्कर–रोक या बंपर जैसे कार्य करता। इसने इसे पकड़ लिया, और मैं इसे हिलते हुए देखता हूँ, और लहू उसके चेहरे पर से नीचे बहने लगता है। और मैं ने उसे हाथ उठाते हुए देखा, और कहा, "पिता, उसे क्षमा करे, वह नहीं जानता कि वह क्या कर रहा है।"

188 मैंने खुद को कुछ तो और करते देखा, इसने उसे फिर से हिला दिया, बंपर। ऐसा हुआ होता, तो परमेश्वर मुझे ठीक तभी मार देता, लेकिन उसका लहू मुझे पकडे हुए था। यह मेरे पापों को थामे हुए था। मैंने सोचा, "हे परमेश्वर, क्या मैंने ऐसा किया? निश्चित रूप से यह मैं नहीं था।" लेकिन ये था।

189 तब मैं *इस* तरह से चलता चला गया, जैसे कि मैं उस कमरे में से होकर जा रहा था, और मैं चलकर उसके नजदीक गया। मैंने वहाँ एक रखी हुई किताब को देखा, उस पर मेरा नाम लिखा था, और उस पर हर प्रकार के काले अक्षर लिखे हुए थे। मैंने कहा, "प्रभु, मैं क्षमा मांगता हूँ कि मैंने ऐसा किया। क्या आपके ऐसा करने का कारण मेरे पाप है? क्या मैंने आपके लहू को संसार भर में घुमाया? क्या मैंने—क्या मैंने आपके साथ ऐसा किया है, प्रभु? मैं बहुत क्षमा चाहता हूँ कि मैंने ऐसा किया।" और वो वहां आगे आया। मैंने कहा, "क्या आप मुझे क्षमा करेंगे? मेरा मतलब ऐसा नहीं था। मैं... आप, आपके अनुग्रह के द्वारा, मैं एक बेहतर लड़का बनने की कोशिश करूंगा क्या आप मेरी सहायता करेंगे।"

190 उसने अपने हाथ को लिया और अपना बाजू को थपथपाया, अपनी उंगली को लिया और "क्षमा किया गया" मेरी किताब पर लिख दिया; उसे उसके पीछे फेंक दिया, भूल जाने वाले समुंद्र में। मैंने इसे थोड़ी देर देखा। और उसने कहा, "अब, मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ, लेकिन तुम उसे दोषी ठहराना चाहते हो।" देखा? कहा, "तुम्हे क्षमा कर दिया गया है, लेकिन

उस स्त्री के बारे में क्या? तुम उस पर क्रोधित होना चाहते हो। क्या तुम नहीं चाहते कि वह जीवित रहे।"

191 मैंने सोचा, "हे परमेश्वर, मुझे क्षमा करे। मेरा यह सोचने का मतलब नहीं था। मैं ऐसा नहीं करना चाहता था। मैं—मैं—मैं ऐसा नहीं करना चाहता था।"

192 "तुम्हे क्षमा कर दिया गया है। तुम्हे ठीक महसूस हो रहा है। लेकिन उसके बारे में क्या? उसे भी इसकी आवश्यकता है। उसे इसकी आवश्यकता है।"

193 "तो ठीक है," मैंने सोचा, "परमेश्वर, मैं भला कैसे जानूंगा कि आपने किसे बुलाया है, और आपने किसे नहीं बुलाया है?" ये मेरा काम है कि हर एक जन से बात करूं।

194 तो, जब दर्शन ने मुझे छोड़ दिया, मैं उस महिला के पास चलकर गया। मैंने कहा, "आप कैसी हैं, महिला?" और वे दो पुरुष विश्राम कक्ष में गए थे। और वे... वह वहाँ बैठी हुई थी, हिचकी ले रही थी, आप समझ रहे होंगे, हँस रही थी। मेज पर व्हिस्की की बोतल रखी हुई थी, या बीयर, ये शराब थी जो वहां रखी हुई थी, जहां से वे पी रहे थे। मैं वहां चलकर गया। मैंने कहा, "आप कैसी हैं?"

और महिला ने कहा, "ओह हैलो।"

और मैंने कहा, "क्या मैं बैठ सकता हूं?"

उसने कहा, "ओह, मेरे साथ पीने वाले लोग है।"

मैंने कहा, "मेरा उस तरह से मतलब नहीं था, बहन।"

उसने मेरी तरफ देखा जब मैंने उसे "बहन" कहकर बुलाया। उसने कहा, "आप क्या चाहते हैं?"

मैंने कहा, "क्या मैं बस एक मिनट बैठ सकता हूँ?"

उसने कहा, "बिना अनुमति के बैठ जाये।" और मैं बैठ गया।

जो बात घटित हुई मैंने उसे बता दिया। उसने कहा, "आपका क्या नाम है?"

और मैंने कहा, "ब्रंहम।"

उसने कहा, "क्या आप वही व्यक्ति है जो यहाँ इस कार्यक्षेत्र में है?"

मैंने कहा, "जी हां, महोदया।"

195 उसने कहा, "मैं वहाँ पर नीचे आना चाहती थी।" उसने कहा, "श्रीमान ब्रंहम, मैं एक मसीही परिवार में पली–बढ़ी हूँ।" उसने कहा, "मेरी दो युवा लड़कियां है जो मसीही हैं। लेकिन कुछ, कुछ तो बातें घटित हुईं," और वो गलत रास्ते पर चली गई, या आरंभ किया।

196 मैंने कहा, "लेकिन, बहन, मैं परवाह नहीं करता, लहू अब भी आपके चारो ओर है। यह संसार लहू से ढका हुआ है।" यदि ऐसा नहीं होता, तो परमेश्वर हम सभी को मार डालता। वह... जब वह लहू आगे जाता है, तो न्याय के ताप में रहें। लेकिन अब, यदि आप उस लहू के बिना मर जाते हैं, आप उस स्थान के उस ओर जाते हैं, तो आपको क्रिया में आने के लिए कुछ भी नहीं होता है। आज लहू आपके स्थान में काम करता है। मैंने कहा, "महिला, निश्चित रूप से, लहू ने आपको अब भी ढांक कर रखा है। जब तक आप अपने शरीर में सांस लेते है, तब तक लहू आपको ढांके रखता है। लेकिन एक दिन जब साँसे यहाँ छुट जाती है तो प्राण निकलने लगता है, आप उस लहू से आगे निकल जायेगे, और न्याय के आलावा और कुछ नहीं बचता है। जबकि आपको क्षमा करने का मौका मिला था... " और मैंने उसके हाथ को पकडा।

197 वो रो रही थी, कहा, "श्रीमान ब्रन्हम, मैं पी रही हूँ।"

198 मैंने कहा, "यह हानि नहीं पहुँचाता। *किसी–न–किसी* ने मुझे आगाह किया है कि मैं आपको बताऊँ।" मैंने कहा, "परमेश्वर ने दुनिया की नींव डालने से पहले, आपको बुलाया है, बहन। और आप गलत कर रही हैं, और आप इसे बस और बदतर बना रही हैं।"

199 उसने कहा, "क्या आप सोचते है कि वह मुझे स्वीकारेगा? "

200 मैंने कहा, "निश्चित रूप से, वह आपके स्वीकारेगा।"

201 वहाँ वो उसके घुटनों पर आ गयी, हम उस नीचे फर्श के बीच में थे, और एक पुराने समय की प्रार्थना सभा में उतर गये। उस पुलिस वाले ने उसकी टोपी उतार दी और घुटनो के बल झुक गया। वहाँ हमारी उस स्थान पर प्रार्थना की सभा हो गयी थी। क्यों? परमेश्वर सर्व–श्रेष्ठ है।

"इन मरे हुए कामो को छोड़ते हुए, आओ हम सिद्धता की ओर आगे बढे।"

202 आओ हम उस क्षेत्र में आगे बढते हैं जहां ये, "मैं कलीसिया से ताल्लुक रखता हूं; मैं *इससे* ताल्लुक रखता हूँ," यह सब समाप्त हो गया है। और आओ हम सिद्धता की ओर बढे।

203 मेरे पापी मित्र, यदि आप आज बिना लहू के है, बिना उद्धार के है, बिना अनुग्रह के है, यीशु मसीह का लहू आपको थामे हुए है। आप कहते है, "तो ठीक है, मुझे इस समय तक मिल गया है।" लेकिन एक दिन आप जा रहे हैं जहां वहां कुछ भी नहीं होगा जो आपके लिए काम करेगा।

आइए अब हम प्रार्थना करें, जबकि हम अपने सिरो को झुकाते हैं।

204 क्या वहाँ कोई है, क्या होगा, जो आज यहाँ कोई कहना चाहेगा, "परमेश्वर मुझ पर दया करें, मुझे एहसास हुआ है कि मैंने गलत किया है"? हो सकता है कि आप कलीसिया में जुड़ गए हों। यह सब ठीक बात है। लेकिन यदि आपने मसीह के अनुग्रह को नहीं पाया है, तो क्या आप हाथ उठाकर कहेंगे, "मेरे लिए प्रार्थना करे, भाई ब्रंहम"? परमेश्वर आपको आशीष दे, महाशय। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। ये सही है। नहीं... परमेश्वर आपको आशीष दे, महोदय, वहाँ पीछे। परमेश्वर आपको आशीष दे, और आपको। पीछे की ओर, हाँ, परमेश्वर आपको आशीष दे। अपने हाथ को उठाएं। यह सही है। बस अपना हाथ ऊपर उठाये, और कहो, "परमेश्वर, मुझ पर दया कीजिये।"

205 आप कहते है, "मैं कलीसिया से ताल्लुक रखता हूं, भाई ब्रन्हम। हाँ, मैंने—मैंने अच्छा बनने की कोशिश की है, लेकिन मैं नहीं जानता, मुझे लगता है, ऐसा दिखाई देता है, मैं इसे नहीं कर सकता हूं।" ओह, दीन यात्री, दीन निर्बल मित्र, आपने वास्तव में अभी तक कभी दर्शन नहीं देखा है।

206 आप कहते है, "भाई ब्रन्हम, मैं चिल्लाया। मैंने अन्य जुबान में बात की है। मैंने यह सब किया है।" यह सच भी हो सकता है। यह ठीक बात है, मुझे इसके विरुद्ध कुछ भी नहीं कहना है।

लेकिन, मेरे प्रिय, खोए हुए मित्र, लेकिन, अन्य जुबान से बोलना, या कंपकपी, या हाथ मिलाना, या बपतिस्मा लेना, यह, यह सब ठीक बात है। लेकिन, उसे जानना, एक व्यक्ति को जानना है। "उसे जानना ही जीवन है।"

207 आप कहते है, "मैं बाईबल को अच्छी तरह से जानता हूँ।" तो, बाईबल को जानना जीवन नहीं है। "उसे जानना," व्यक्तिगत सर्वनाम,

"उसे जानना, मसीह को," कि आप जानते हैं कि उसने आपको क्षमा किया है।

क्या आप बस अपने हाथो को फिर से उठायेगे, कोई और भी है? परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। परमेश्वर आपको आशीष दे यहाँ पर, भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे वहाँ पीछे, नौजवान पुरुष। यहाँ पर परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन। परमेश्वर आपको आशीष दे, पीछे की ओर, वहाँ। यह सही है। "उसे जानना ही जीवन है।"

"भाई ब्रन्हम, मुझे याद करे। मैं ठीक यहाँ अभी, अपनी सीट पर हूं, मसीह को स्वीकार करने जा रहा हूं।"

208 कहे, "मेरे ह्रदय में आये, प्रभु यीशु, और मुझे उस शांति, उस मधुरता को देना।" कलीसिया जाते है, जितना परिश्रम से आप संगीत बजा सकते है बजाते है, ऊपर–नीचे नाचते है, गलियारे में से होकर दौड़ते है; घर जाकर, चिंता करते है, और डावाडोल होते है, और उपद्रव करते है, यह मसीह नहीं है। आप कलीसिया जाते हैं, बैठ कर और कुछ तो छोटे–छोटे उपदेश सुनते हैं कि कैसे पुल को रंगा जायेगा, या इसी तरह का *कुछ तो और*, वचन को कभी भी नही सुनते। वचन जीवन को लाता है। यह बीज है। क्या आप शांति को नहीं चाहते?

209 क्या आप मरने की बात को लेकर चिंतित हैं? आज आपको दिल का दौरा पड़ा होगा, क्या यह बात आपको चिंतित करती है? या आप आनन्दित होंगे, यह कहते हुए, "मैं इस मार्ग के अंत में प्रभु यीशु के साथ होने जा रहा हूँ"? क्या आप उसे जानते हो? यदि आप नहीं जानते हैं, तो बस अपना हाथ ऊपर उठाएं। हम आपके लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं। हाँ, भाई, आप भी।

210 तो ठीक है, अब आपके ह्रदय में।

बस जैसा भी मैं हूं, बिना एक तर्क के,
लेकिन वो आपका लहू बहाया गया (किसके लिए?)
मेरे लिए,
क्योंकि मैं प्रतिज्ञा करता हूँ, मैं विश्वास करूंगा,
हे मेमने, हे परमेश्वर के मेम्ने, मैं आता हूं। मैं आता हूं,
नम्रता से, सौभाग्य से।

बस जैसा...

विश्वास के द्वारा, बस उसके पास सीधे चलकर आये। विश्वास करें कि वह वहां आपके बगल में खड़ा है। वह खड़ा है।

... नहीं
मेरे प्राण को छुडाने के लिए (अब कितना अधिक?)
उस एक... उस (क्रोध, द्वेष),
उसके लिए जिसका लहू हर एक स्थान को शुद्ध कर
सकता है,
हे मेमने...

211 "विश्वास के द्वारा मैं आज सुबह क्रूस की ओर चलूँगा। मैं अपने बोझ नीचे रखता हूँ। मैं आता हूँ।" परमेश्वर आपको आशीष वहाँ पीछे। यह अच्छी बात है। [भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं *जैसा भी मैं हूँ*—सम्पा।] अब उदासीन मत बनो। गर्मजोशी से, मधुरता से, सीधे क्रूस की ओर बढे।

212 पुराने नियम में, वे एक मेमने को लाते। वे जानते थे कि उन्होंने पाप किया है, वे इसे उन आज्ञाओं के द्वारा जानते थे। अब आप इसे जानते है, क्योंकि परमेश्वर ने आपके हृदय में बात की है। वे आज्ञाओं पर एक नज़र डालते, "तू व्यभिचार ना करना। तू *फलां–और–फलां* नहीं करना।" और वे एक मेमने को लेते, और जाकर मेम्ने पर हाथ रखते, याजक उसके गले को काट देता। वो छोटा सा जानवर लात मारता, और उसका लहू बहता, और मिमियाता, और वो मर रहा था। उसके हाथ पूरी तरह लहू से लथपथ थे। उसके स्थान पर मेमना मर गया, लेकिन वह फिर से उसी तरह के काम को की इच्छा के साथ बाहर चला जाता।

213 लेकिन इस स्थान में, हम विश्वास के द्वारा, अनुग्रह के द्वारा आये हैं। परमेश्वर ने हमें बुलाया। हम अपने हाथ परमेश्वर के मेमने के सिर पर रखते हैं। हम उस घूमते हुए हथौड़े को सुनते हैं। हम उस आवाज़ को सुनते हैं, "मैं प्यासा हूँ; मुझे पानी पिला दो। हे पिता, यह पाप उन पर न लगा; वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं।" देखा? विश्वास के द्वारा, हम हमारे स्थान पर उसकी मृत्यु को महसूस करते हैं। हमारे हृदय की गहराई में एक गहरी, स्थिर शांति आती है, जब एक आवाज कहती है, "अब तुम्हे क्षमा किया है। जाओ और अब और पाप मत करना।" किस तरह से, अनुग्रह के द्वारा, हम उसी इच्छा के साथ नहीं जाते जाते हैं, लेकिन इस इच्छा के

साथ होते है कि हम कभी पाप न करें या कुछ भी गलत न करें। वह शांति जो समझ से परे है, हमारे हृदय में प्रवेश कर चुकी है।

आप इसे अभी प्राप्त करें जब हम, हर एक जन, एक साथ प्रार्थना करते हैं।

214 स्वर्गीय पिता, वे विश्वास के द्वारा, अनुग्रह के द्वारा आते हैं। वहां लगभग एक दर्जन हाथ ऊपर की ओर उठे है। यह संदेश के फल है। वे आपके पास आये हैं। वे विश्वास करते है। मैं भी उन पर विश्वास करता हूँ, प्रभु। मैं वास्तव में यह विश्वास करता हूँ, पवित्र आत्मा ने उनसे बात की है। और विश्वास ही के द्वारा वे अब सीधे याकूब की सीढ़ी पर चढ़कर सीधे क्रूस के कष्ट तक आये हैं, वहाँ उनके सब पापों को रखते हुए और कहते हुए, "प्रभु, यह मेरे लिए बहुत ही अधिक है। मैं इसे अब और नहीं सह सकता। और क्या आप मेरे पाप का भार दूर करेंगे, और मेरे मन से ऐसा करने की इच्छा को निकालेंगे? और आज के दिन मुझे विश्वास के द्वारा, आपको अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करने दीजिये। और अब से लेकर आगे, मैं यात्रा के अंत तक, हर एक मील में आपका अनुसरण करूंगा। मैं इसकी एक झलक को समझ लिया है कि 'सिद्धता की ओर बढ़ना,' इसका क्या अर्थ होता है, ना ही कलीसिया में जाना, और मरे हुये कामो की जड़े जैसे बपतिस्मे और इत्यादि। लेकिन मैं आगे बढ़ना चाहता हूं, जब तक कि मैं अब और ना जी सकू, और मसीह मुझ में जी सके।"

215 हे यीशु, आज सुबह हर एक पश्चाताप करने वाले प्राण को इसे प्रदान करे। हर एक जन जिसने अपना हाथ उठाया है वो अनन्त जीवन को पाएगा क्योंकि आपने इसकी प्रतिज्ञा की है। उन्होंने सार्वजनिक स्वीकृति दी है। उन्होंने हाथ उठाये हैं। उन्होंने गुरुत्वाकर्षण के सारे नियम को तोड़ दिया है। उन्होंने विज्ञान को खुद पर शर्मिंदगी महसूस कराई क्योंकि विज्ञान कहता है, "आपके हाथ नीचे की ओर लटकेंगे।" कोई भी चीज विज्ञान में इसे साबित करेगी कि उसे अवश्य ही धरती पर ही बने रहना है, क्योंकि गुरुत्वाकर्षण इसे नीचे की ओर खींचे रखता है। लेकिन वहां उनमें एक आत्मा है जिसने निर्णय को लिया और उन्होंने गुरुत्वाकर्षण के नियमों को चुनौती देकर और अपने को ऊपर उठाया है। आपने इसे देखा है, प्रभु। आपने उनका नाम किताब पर डाला है। "क्षमा किया गया।" वो पुरानी किताब पीछे अब भूल जाने वाले समुन्द्र जा चुकी है, अब इसे और कभी भी याद नहीं किया

जाएगा। उन्हें आज आगे बढ़ने दें, प्रेमपूर्ण, मधुर मसीहियो के नाई, ताकि आपकी सेवा करे। और हो सकता है बहुत से लोग होंगे जिन्होंने हाथ नहीं उठाया, उन्हें भी प्रदान करे।

216 वे संत थोड़ा और नजदीक से चले, प्रभु, क्योंकि हम कल की तुलना में एक दिन और घर के नजदीक हैं। आप हमारे साथ हो, प्रभु, क्योंकि हम इसे मसीह के नाम और उसकी महिमा के लिए मांगते हैं। आमीन।

इब्रानियों, अध्याय पांच और छह *1* HIN57-0908M

(Hebrews, Chapter Five and Six 1)

इब्रानियों श्रृंखला की किताब

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 8 सितंबर, 1957 को ब्रंहम टेबरनेकल जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org